राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 12 अकं :248 रांची (झारखंड) शुक्रवार,20 जून 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

देश को सिकलसेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदार एकजुट होकर करें कार्य: राष्ट्रपति

एजेंसी

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 'विश्व सिकलसेल रोग जागरुकता दिवस' पर मध्यप्रदेश सरकार के प्रयास की सराहना की है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने इस संबंध में कल अपने संदेश में कहा कि विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि सभी देशवासी स्वस्थ हों। स्वस्थ नागरिक ही अपने जीवन, अपने राज्य और हमारे देश की प्रगति में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने भारत को सिकलसेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदारों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया है। श्रीमती मुर्मु ने मध्यप्रदेश के जिला बड़वानी में 'विश्व सिकलसेल रोग जागरूकता दिवस' आयोजित करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की सराहना की है। उन्होंने संदेश में कहा कि दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली सिकलसेल एनीमिया, भारत में जनजातीय आबादी को विशेष रूप से प्रभावित करती है। इसके विरुद्ध दृढ़ संकल्प के साथ लड़ने की दिशा में इस दिवस का मनाया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रपति ने कहा कि दशकों से हमारे आदिवासी समुदाय और पिछड़े क्षेत्रों में कई लोग सिकलसेल एनीमिया का कष्ट झेलते रहे हैं। बीमारी के एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रसार को रोकने के लिए समुदाय स्तर पर स्क्रीनिंग जांच द्वारा पहचान कर 'जेनेटिक काउंसलिंग'

एवं प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। वर्ष 2047 तक भारत को सिकलसेल एनीमिया से मुक्ति दिलाने का राष्ट्रीय संकल्प इस समस्या को जड़ से समाप्त करने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया मुक्ति मिशन के अंतर्गत सिकलसेल एनीमिया से प्रभावित लोगों के लिए एकीकृत उपचार केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जहां पर रोगियों को आवश्यक औषधियाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत हो रहे प्रयासों से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई जनजातीय समुदायों में बीमारी की पहचान समय पर हो रही है जिससे इलाज और जीवन की गुणवत्ता में सुधार भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब सभी हितधारक मिलकर एक सतत, समर्पित और मानवीय दृष्टिकोण से कार्य करेंगे, तभी इस समस्या का जड़ से उन्मूलन संभव हो पाएगा। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि विकसित भारत के हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि सभी देशवासी स्वस्थ हों। स्वस्थ नागरिक ही अपने जीवन, अपने राज्य और हमारे देश की प्रगति में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने भारत को सिकल सेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदारों को एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हम सब निरंतर एकजुट होकर कार्य करें।

मुख्यमंत्री आवास में धामी, अधिकारियों और कर्मचारियों ने किया योग अभ्यास

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून स्थित मुख्यमंत्री आवास में गुरुवार को योगाभ्यास किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ उनके कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्री धामी ने प्रदेशवासियों को योग को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और आत्मबोध की एक प्रक्रिया है। यह हमारे मन को स्थिर कर चेतना की गहराइयों तक पहुँचाने का माध्यम है।' उन्होंने भारतीय संस्कृति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'भारत ने सदैव मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखा है और हमारी सनातन संस्कृति का मूल स्तंभ योग है। यही कारण है कि आज योग दुनिया के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गया है और भारतीय जीवन शैली को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मान्यता देने के लिए प्रस्ताव रखा था, जिसे 177 देशों ने समर्थन दिया और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड योग और ऋषि मुनियों की भूमि है। ग्राम स्तर तक सभी लोग योग से जुड़े, सरकार द्वारा इस दिशा में प्रयास किए गए हैं। योग से रोजगार के अवसर बढ़ाये जा रहे हैं। उत्तराखंड को योग और वेलनेस की वैश्विक राजधानी बनाने के लिए नई योग नीति लाई गयी है।

ऑपरेशन सिंधु: ईरान से लौटे छात्रों को घर पहुंचाने के लिए जम्मू कश्मीर सरकार कर रही परिवहन की व्यवस्था

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर सरकार अब ईरान से लौटे नागरिकों को घर पहुंचाने की व्यवस्था कर रही है। गुरुवार की सुबह ईरान से 110 भारतीय नागरिकों को लेकर एक विशेष विमान दिल्ली में उतरा। इनमें से 94 नागरिक जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि सरकार उनकी घर वापसी के लिए परिवहन व्यवस्था कर रही है। जम्मू कश्मीर के सीएम ऑफिस ने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ईरान से निकाले गए हमारे 94 छात्र सुरक्षित रूप से दिल्ली पहुंच गए हैं। सरकार उनकी घर वापसी के लिए परिवहन व्यवस्था कर रही है, जो अगले कुछ घंटों में लागू हो जाएगी। इसके पहले सीएम ऑफिस ने पोस्ट किया, मुख्यमंत्री ने ईरान से निकाले गए छात्रों को दिल्ली से जम्मू-कश्मीर तक ले जाने के लिए व्यवस्थित बसों की गुणवत्ता के बारे में अनुरोध पर ध्यान दिया है। रेजिडेंट कमिश्नर को जेकेआरटीसी के साथ समन्वय करने का काम सौंपा गया है, ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि उचित डीलक्स बसों की व्यवस्था हो। इजरायल और ईरान में संघर्ष के बीच भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए ऑपरेशन सिंधु शुरू किया है। इसके तहत ईरान से सफलतापूर्वक निकाले गए 110 भारतीय नागरिकों को लेकर पहली उड़ान गुरुवार सुबह नई दिल्ली पहुंची। सभी भारतीय नागरिकों को इंडिगो की उड़ान 6ई 9487 से दिल्ली लाया गया। एयरपोर्ट पर केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने भारतीय नागरिकों का स्वागत किया। भारतीय छात्रों को ईरान से आर्मेनिया के रास्ते निकाला गया है। ईरान और आर्मेनिया में भारतीय मिशनों की देखरेख में सड़क मार्ग से अर्मेनियाई राजधानी येरेवन तक पहुंचाया गया। वहां से विशेष विमान ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी। 110 भारतीय छात्रों को लेकर ये उड़ान सुबह नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर उतरी। ईरान से निकाले जाने के बाद कई भारतीय छात्रों ने सरकार को धन्यवाद दिया।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर हादसे के बाद हेली सेवाओं पर सस्पेंस बरकरार, बुकिंग की तारीख नहीं हुई जारी

देहरादून । केदारनाथ हेलीकॉप्टर हादसे के बाद से हेली सेवाओं को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। केदारनाथ में हेली सेवाओं के तीसरे चरण की बुकिंग अब तक शुरू नहीं हो पाई है। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण और आईआरसीटीसी की तरफ से इस बारे में अभी तक कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

दरअसल, दो मई को केदारनाथ के कपाट खुले थे और इसके साथ ही हेली सेवाएं भी शुरू हो गई थीं। 22 जून तक की हेली सेवाएं पूरी तरह बुक हैं, लेकिन हाल ही में केदारनाथ में हुए हेलीकॉप्टर हादसे के बाद हेली सेवाओं के तीसरे चरण की बुकिंग पर सस्पेंस बरकरार है। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण और आईआरसीटीसी ने बुकिंग की लेटेस्ट तारीख जारी नहीं की है। ऐसे में 22 जून के बाद की हेलीकॉप्टर की बुकिंग पर सस्पेंस बना हुआ है। 15 जून को रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड के पास एक जंगली इलाके में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। केदारनाथ धाम से गुप्तकाशी जा रहे हेलीकॉप्टर में सवार सभी सात लोगों की इस हादसे में मौत हो गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रोएशिया के प्रधानमंत्री प्लेंकोविच के साथ बातचीत की

राष्ट्रपति मिलनोविच से भी मिले

एजेंसी

ज़ाग्रेब। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यहां अपने क्रोएशियाई समकक्ष आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ सार्थक बातचीत की और दोनों नेताओं ने रक्षा और सुरक्षा, फार्मा, नवीकरणीय ऊर्जा और आईटी के क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर सहमति जतायी। बाद में श्री मोदी ने राष्ट्रपति ज़ोरान मिलनोविच से मुलाकात की। उन्होंने क्रोएशियाई प्रधानमंत्री के साथ शहर के चौक की सैर भी की। वह क्रोएशिया की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। श्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा ज़ाग्रेब में अपने मित्र प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ सार्थक बातचीत की। हमारी बातचीत में कई क्षेत्रों को शामिल किया गया, जिसका उद्देश्य भारत-क्रोएशिया के संबंधों को और भी मजबूत बनाना है। हम

रक्षा और सुरक्षा, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, आईटी, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे। सेमीकंडक्टर, जहाज निर्माण, कनेक्टिविटी और अन्य क्षेत्रों में तालमेल भी बहुत फायदेमंद होगा।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा , भारत-क्रोएशिया संबंधों में एक नया अध्याय। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रोएशिया के ज़ाग्रेब में प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ सार्थक चर्चा की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और डिजिटल प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, समुद्री बुनियादी ढांचे, पर्यटन और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने सीमा पार आतंकवाद से लड़ने में भारत को दिए गए दृढ़ समर्थन के लिए क्रोएशिया को धन्यवाद दिया।दोनों नेताओं ने भारत-यूरोपीय संघ के रणनीतिक संबंधों को और गहरा करने का भी आह्वान किया। इससे पहले ऐतिहासिक बंस्की ड्वोरी महल में पहुंचने पर श्री मोदी का श्री प्लेंकोविच ने औपचारिक स्वागत किया। क्रोएशियाई प्रधानमंत्री ने उनके सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया। श्री मोदी ने श्री प्लेंकोविच को पारस्परिक रूप से सुविधाजनक समय पर भारत आने का निमंत्रण दिया। क्रोएशिया के राष्ट्रपति के साथ बैठक पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा भारत-क्रोएशिया , एक नयी साझेदारी की नींव रखना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रोएशिया के ज़ाग्रेब में राष्ट्रपति ज़ोरान मिलनोविच के साथ उपयोगी बातचीत की।

टीएमसी पर भड़के सुवेंदु अधिकारी, कहा- 'उनके पत्र में दिखती है गुजरात विरोधी मानसिकता'

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पत्र को सोशल मीडिया पर साझा कर कुछ सवाल खड़े किए। टीएमसी पर गुजरात विरोधी मानसिकता का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टीएमसी का पत्र शेयर करते हुए सवाल किया। उन्होंने लिखा, ÷ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का 18 जून 2025 का पत्र, जिसमें उन्होंने 80-कालीगंज विधानसभा उपचुनाव के लिए वेबकास्टिंग एजेंसी के चयन पर सवाल उठाया है, जो स्पष्ट रूप से गुजरात विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। पत्र में अहमदाबाद, गुजरात की एक एजेंसी के चयन पर चिंता जताई गई है और बार-बार इसके गुजरात मूल को रेखांकित किया गया है, जो गुजरातियों के खिलाफ क्षेत्रीय भेदभाव को दर्शाता है।उन्होंने आगे कहा, गुजरात भारत का हिस्सा है और

वहां की कोई भी कंपनी कानूनी तौर पर किसी भी टेंडर प्रक्रिया में हिस्सा ले सकती है। एजेंसी का चयन सभी मानदंडों को पूरा करने के बाद हुआ होगा, लेकिन टीएमसी इसे निशाना बना रही है, क्योंकि यह उनकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है।

भारतीय संविधान की 75 वर्षों की यात्रा महत्वपूर्ण सफलताओं की कहानी: गवई

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने भारतीय संविधान के पिछले 75 वर्षों की यात्रा को महान महत्वाकांक्षा और महत्वपूर्ण सफलताओं की कहानी करार देते हुए कहा कि सामाजिक-आर्थिक न्याय प्रदान करने में इस अवधि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने इटली के प्रमुख शहर 'मिलान' में 'सामाजिक-आर्थिक न्याय प्रदान करने में संविधान की भूमिका' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान यह विचार व्यक्त किया। उन्होंने बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में कहा, ÷भूमि और कृषि सुधारों ने सामंती संरचनाओं को खत्म करने, जड़ जमाए पदानुक्रमों की जकड़न को तोड़ने और भूमि और आजीविका तक पहुंच को फिर से वितरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अनगिनत भूमिहीन और हाशिए पर पड़े व्यक्तियों, विशेष रूप से उत्पीड़ित जातियों और समुदायों के लिए ये सुधार आर्थिक स्वतंत्रता और सम्मान हासिल करने का पहला

वास्तविक अवसर था।' मुख्य न्यायाधीश ने कहा, समाज के बड़े हिस्से को हाशिए पर रखने वाली संरचनात्मक असमानताओं को संबोधित किए बिना कोई भी राष्ट्र वास्तव में प्रगतिशील या लोकतांत्रिक होने का दावा नहीं कर सकता। दूसरे शब्दों में, सामाजिक-आर्थिक न्याय दीर्घकालिक स्थिरता, सामाजिक सामंजस्य और सतत विकास प्राप्त करने के लिए एक व्यावहारिक आवश्यकता है।मुख्य न्यायाधीश गवई ने स्वतंत्रता के बाद से किए गए न्यायिक और विधायी उपायों की सूची पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमें सामाजिक-आर्थिक न्याय की अनिवार्यता को समझना चाहिए। यह केवल पुनर्वितरण या कल्याण का मामला नहीं है। यह प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने, अपनी पूरी मानवीय क्षमता का एहसास करने और देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में समान रूप से भाग लेने में सक्षम बनाने के बारे में है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान को 26 जनवरी, 1950 को न केवल शासन के लिए एक राजनीतिक दस्तावेज के रूप में अपनाया गया था, बल्कि समाज के लिए एक वादा, एक क्रांतिकारी बयान और गरीबी, असमानता व सामाजिक विभाजन से पीड़ित औपनिवेशिक शासन के लंबे वर्षों से बाहर आने वाले देश के लिए आशा की किरण के रूप में अपनाया गया था।

भारत ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी 2026 रैंकिंग में हासिल किया खास मुकाम, गर्व की बात: धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 की सराहना करते हुए इसे भारत के लिए 'अत्यंत गर्व' का क्षण बताया है। प्रधान ने एक्स पोस्ट में कहा, 'वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ 54 उच्च शिक्षा संस्थानों में शामिल होने के साथ भारत ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी 2026 रैंकिंग में एक नया मुकाम हासिल किया है। 2014 में सिर्फ 11 संस्थानों से अब 54 तक, यह लगभग पांच गुना वृद्धि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए परिवर्तनकारी शैक्षिक सुधारों को दर्शाती है। उन्होंने देश की शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, एनईपी न केवल हमारे शिक्षा परिदृश्य को बदल रहा है, बल्कि क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। यह बहुत गर्व की बात है कि भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली शिक्षा प्रणाली है और अमेरिका, ब्रिटेन और चीन के बाद चौथे स्थान पर है। मुझे विश्वास है कि अनुसंधान, नवाचार और अंतर्राष्ट्रीयकरण पर एनईपी पर

जोर के साथ आने वाले समय में और अधिक भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान वैश्विक उत्कृष्टता हासिल करेंगे। जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में कुल 54 भारतीय संस्थानों को स्थान दिया गया है, जो भारत के लिए अब तक का सर्वोच्च स्थान है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली शीर्ष रैंक वाला भारतीय संस्थान बनकर उभरा है, जो वैश्विक स्तर पर 150वें स्थान से 123वें स्थान पर पहुंच गया है, जो अब तक का उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

शिक्षा मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, आईआईटी दिल्ली भारत के शीर्ष रैंक वाले संस्थान के रूप में अग्रणी है। यह क्यूएस रैंकिंग में संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक ऊंचाई है।

देश में कोरोना संकम्रित 17164 मरीज स्वस्थ हुए, सक्रिय मामले छह हजार से नीचे

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोराना संक्रमित 1219 मरीज के स्वस्थ होने के साथ ही गुरुवार को इस वायरस से निजात पाने वालों की संख्या 17164 तक पहुंच गयी और कुल सक्रिय मामलों की संख्या 5976 रह गयी है। इस अवधि में तीन और मरीजों की मौत से मृतकों की संख्या बढ़कर 116 पहुंच गयी। गौरतलब है कि गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे।केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमित तीन और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 116 पहुंच गया। इस अवधि में दिल्ली में

दो और मरीज की मौत होने से राजधानी में मृतकों की संख्या 15 हो गयी। केरल में एक और मरीज की मौत होने से इस राज्य में मृतकों की कुल संख्या 37 हो गयी है। इस अवधि में जहां 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेश में कोरोना के मामलों में वृद्धि देखी, वहीं 10 राज्यों में सक्रिय मामलों में कमी आयी है। जबकि अन्य राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों से कोरोना संक्रमण के मामले प्राप्त नहीं हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण संक्रमण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 32 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना के सक्रिय मामले घटने और बढ़ने के मामले सामने आये हैं, जबकि तीन राज्यों मिजोरम, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण का फिलहाल कोई सक्रिय मामला नहीं है।मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, हालांकि आज सुबह तक 75 सक्रिय मामले घटने के साथ इसका आंकड़ा 1309 रह गया। राष्ट्रीय राजधानी में 12 मामले बढ़ने से संक्रमितों की कुल संख्या बढकर 632 हो गयी।

संभल हिंसा मामले में चार्जशीट दाखिल, एसपी बोले- सांसद बर्क और जफर अली समेत 23 को बनाया आरोपी

एजेंसी

संभल । संभल में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा मामले में एसआईटी ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और जामा मस्जिद के सदर जफर अली समेत कुल 23 को आरोपी बनाया गया है। संभल के एसपी कृष्ण बिश्नोई ने से बातचीत में बताया, 24 नवंबर 2024 को संभल जिले में कोर्ट के आदेश पर सर्वे के दौरान बाधा डालने, हिंसा और आगजनी के संबंध में 12 एफआईआर दर्ज की गई थीं। इनमें से 7 मामले पुलिस और 5 मामले जनता की ओर से दर्ज किए गए थे। इन सभी मामलों में बुधवार को चार्जशीट दाखिल कर दी गई है।' उन्होंने कहा, इनमें सबसे महत्वपूर्ण 335/24 के तहत हिंसा की साजिश के अभियोग में सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। इसके अलावा, एक अन्य अभियुक्त सुहैल इकबाल की घटनास्थल पर मौजूदगी पाई गई थी, लेकिन उनसे कई घंटों की पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के संकलन के बाद उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले। इसी जांच के दौरान उनकी नामजदगी गलत मिली।

साथ ही इस मामले में 23 लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। एसपी कृष्ण बिश्नोई ने कहा, पुलिस को जांच के दौरान साक्ष्य मिले कि जामा मस्जिद के सदर जफर अली और सांसद बर्क की देर रात तक बात हुई थी।

अहमदाबाद विमान हादसा: 210 मृतकों के डीएनए मैच, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली । गुजरात के अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लोगों के डीएनए सैंपल के मिलान की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने सोशल मीडिया पर गुरुवार को डीएनए मिलान के बारे में ताजा जानकारी साझा की है। ऋषिकेश पटेल ने बताया कि गुरुवार सुबह 8.30 बजे तक 210 लोगों के डीएनए सैंपल का मिलान हो गया है और उनके परिजनों से भी संपर्क साधा गया है। 187 शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि डीएनए सैंपल का मिलान कराने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जल्द ही बाकी अन्य मृतकों के डीएनए का मिलान कर लिया जाएगा। इसके बाद शेष पार्थिव अवशेष जल्द ही परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। दूसरी ओर, घटनास्थल पर मृतकों के कीमती सामानों की जांच कर उनके परिजनों को सौंपा जा रहा है। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी। उन्होंने कहा, अहमदाबाद पुलिस, जिला प्रशासन और सामाजिक कार्यकर्ताओं को बधाई, उन्होंने पीड़ितों के परिवारों को कीमती सामान लौटाने का शानदार काम किया। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने कई लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव किया है। इन नायकों को सलाम।

राज्यपाल ने किया विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड के पोस्टर का लोकार्पण

हिंदी को वैश्विक मंच पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल, 50 से अधिक देशों के प्रतिभागी होंगे शामिल

हजारीबाग/रांची, झारखंड:-

हिंदी भाषा को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से आगामी 14 से 30 सितंबर 2025 तक आयोजित होने वाले विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड के पोस्टर का लोकार्पण झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची स्थित राजभवन में किया। इस अवसर पर आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.के. नायक, कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद, डिप्टी रजिस्ट्रार विजय कुमार और जनसंपर्क अधिकारी मो. शमीम अहमद उपस्थित रहे।राज्यपाल ने इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन हिंदी को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से न केवल हिंदी के प्रति लोगों की रुचि बढ़ेगी, बल्कि यह भाषा विभिन्न क्षेत्रों में और भी सशक्त होकर उभरेगी। इस आयोजन का उद्देश्य हिंदी भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति को एक वैश्विक मंच देना है। यह प्रतियोगिता नई पीढ़ी को हिंदी से जोड़ने, भाषा के माध्यम से सांस्कृतिक संवाद को प्रोत्साहित करने और हिंदी की लोकप्रियता को विश्वभर में विस्तार देने का प्रयास है। प्रतिभागियों को हिंदी के ज्ञान, साहित्यिक दक्षता और सांस्कृतिक समझ को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

यह आयोजन 14 से 30 सितंबर तक दुनिया के 50 से अधिक देशों में आयोजित किया जाएगा। इसमें कक्षा 1 से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक के विद्यार्थी छह श्रेणियों में भाग ले सकेंगे। प्रत्येक श्रेणी में प्रतिभागियों की आयु व कक्षा के अनुसार प्रतिस्पर्धा होगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जबकि भारत और विदेशों से विजयी प्रतिभागियों को एक करोड़ रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। संस्था स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों और संस्थानों को पुरस्कृत किया जाएगा। पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। प्रतिभागी www.vishwarang.com/hindi-olympiad पर जाकर अपना नाम दर्ज कर सकते हैं। पंजीकरण शुल्क 200 निर्धारित किया गया है, जबकि संस्थागत पंजीकरण निःशुल्क रहेगा। यह आयोजन विश्वरंग फाउंडेशन (भारत), वनमाली सृजनपीठ, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल और आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता न सिर्फ भाषा का उत्सव है, बल्कि हिंदी की आत्मा को विश्व के हर कोने तक पहुंचाने का एक सांस्कृतिक संकल्प भी है।

नगर निकाय चुनाव को लेकर देवघर नगर कांग्रेस कमेटी ने की बैठक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

नगर निकाय चुनाव को लेकर देवघर नगर कांग्रेस कमिटी की एक बैठक देवघर स्थित न्यू ग्रैंड होटल सभागार में नगर अध्यक्ष रवि केसरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में मुख्य रूप से देवघर जिला नगर निकाय चुनाव प्रभारी एवं विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने भाग लिया तथा सांगठनिक ढांचा एवं कार्यों पर विस्तार पूर्वक समीक्षा की। कार्यक्रम का शुभारंभ कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष जन-जन के नेता जननायक राहुल गांधी के जन्म दिन को मना कर किया। इस दौरान राहुल गांधी के तस्वीर के सामने केक काटकर पार्टी के सभी नेताओं तथा कार्यकताओं ने खुशियां मनाई और उन्हें बधाई के साथ शुभकामनाऐं दी। विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने नेता राहुल गांधी के जन्मदिन की बधाई देते हुए प्रेस को बतया कि इस वर्ष दिसंबर तक नगर निकाय चुनाव होने की संभावना है और जैसा जानकारी है कि यह चुनाव दलगत नहीं होगी। सीटों को आरक्षित करने के लिए सरकार ट्रिपल टेस्ट करा रही है। आज निकाय चुनाव को लेकर हमलोगों पहली बैठक में कुछ आवश्यक रणनीति बनाऐं हैं। जिस पर हमें काम करना है। सबसे पहले सभी वार्ड में सशक्त टोली बने, जिसमें पार्टी के वार्ड स्तर से लेकर उस वार्ड में रहने वाले राष्ट्रीय स्तर के नेता भी उस वार्ड की टोली में रहेंगें। उसके बाद वार्ड अध्यक्ष की घोषणा होगी, फिर प्रत्याशी का मिलजुल कर चयन करेंगें। हमारा उद्देश्य है कि चुनाव में हर स्तर के पद पर कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार जीतें। हमारे लोग जीत कर आते हैं तो हम शहर के विकास के लिए बेहतर काम करेंगें,शहर का कायाकल्प होगा। हर समस्याओं का निदान किया जाएगा। बैठक में जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश के साथ जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय ने भी नगर निकाय चुनाव पर अपने विचार देते हुए आज की बैठक में बनाए गए कार्य योजना पर काम करने के लिए निर्देशित किया। आज देवघर नगर के विकास कुमार संजय सिंह,अजीत कुमार,चंदन कुमार,अमन कुमार, शुभम कुमार, देव कुमार, धीरज कुमार यादव, देवराज तथा पवन कुमार ने कांग्रेस पार्टी में योगदान दिया जिन्हें विधायक दल के नेता एवं जिला अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से माला पहनकर पार्टी में स्वागत किया। बैठक में प्रदेश सचिव राजेंद्र दास,जिला महासचिव -सह-प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल, युवा अध्यक्ष कुमार राज,जिला पदाधिकारी जियाउल हसन,रवि गुप्ता,मुकुंद दास,मकसूद आलम, मीणा तुरी, नित्यानंद सेवक, बैलालुद्दीन अंसारी, रवि वर्मा, अनिल केसरी,राजेश सिंन्हा, कामेश्वर पंडित,मनीष केसरी, अनिल केसरी,गुलाब यादव, हेमंत चौधरी ,अजय कुमार कृष्ण, कैलाश चौधरी, कुमार बाबा,पीयूष झा,विनोद मणि,नूनू खान,धर्मेंद्र सिंह,इम्तियाज शेख, मो सिराज, विकास राउत, सदाशिव राणा,आदर्श केशरी, अंकुर केसरी, चंदन कुमार,राकेश जायसवाल,अमन आर्य, लालू भोक्ता,सयूब अंसारी,चंदन ठाकुर,लखेश्वर पंडित,गोतम तुरी, शुभम कुमार,अनंत आर्य,सोनू, देव कुमार,आशिष भारद्वाज, नीरज पास्वान,अजीत शाह, अंशूक भारद्वाज,शैफ दानिश के साथ देवघर नगर के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ो नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने इस बैठक में भाग लिया।

होमगार्ड दयानंद के प्रयास से 7 दिनों बाद कुएं में गिरी लोमड़ी को सकुशल निकाला गया बाहर

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

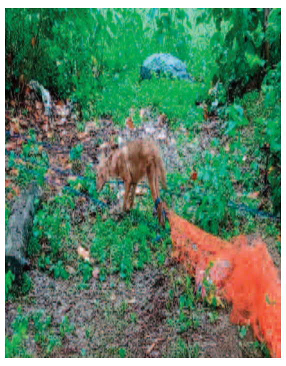

देवघर। संग्रामलोढ़ियाः देवघर जिले के संग्रामलोढ़िया पंचायत स्थित चोल पहाड़ी के एक कुएं में एक लोमड़ी गिर गई थी, जिसे ग्रामीणों ने देखने के बाद कई प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः चित्तौलोढ़िया गांव निवासी होमगार्ड जवान दयानंद कुमार की सूझबूझ और अथक प्रयास से लोमड़ी को सात दिन बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना के अनुसार, लोमड़ी कुएं में गिरने के बाद लगातार सात दिनों तक उसमें फंसी रही। इस दौरान दयानंद कुमार ने वन विभाग को सूचित किया, लेकिन कोई ठोस मदद नहीं मिल सकी। इसके बाद उन्होंने खुद संथाल समुदाय के कुछ युवकों को एकत्र कर उन्हें इस कार्य में लगाया। दयानंद ने अपने निजी खर्चे पर लोमड़ी के लिए रोजाना खाने-पीने की व्यवस्था की और उसे जिंदा रखा। सातवें दिन सामूहिक प्रयास से लोमड़ी को कुएं से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। ग्रामीणों में इस सफल बचाव कार्य को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। दयानंद कुमार ने बताया, भले ही लोमड़ी एक खूंखार जानवर मानी जाती है, लेकिन यह हमारे जंगलों की एक अहम कड़ी है। ऐसे जीवों को यूं ही मरने के लिए छोड़ देना सही नहीं है। इस पुनीत कार्य में विशाल कुमार, कृष्ण कुमार, पिंटू सिंह, श्याम कुमार, एवं वनरक्षी सुमन कुमार वर्मा ने सुझाव व सहयोग प्रदान किया। संपूर्ण बचाव कार्य का खर्च दयानंद कुमार द्वारा वहन किया गया। ग्रामीणों ने भी इस कार्य के लिए दयानंद और उनकी टीम की सराहना की।

सदर अस्पताल में विश्व सिकल सेल दिवस का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

विश्व सिकल सेल दिवस का उद्घाटन कार्यशाला का आयोजन सदर अस्पताल के सभागार में सिविल सर्जन डॉक्टर जुगल किशोर चौधरी के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा सिकल सेल रोग अनुवांशिक होता है इस रोग में लाल रक्त कणिकाओं में हीमोग्लोबिन का असामान्य हो जाता है। यह छोटे रक्त वाहिकाओं का अवरुद्ध कर सकता है। **सिकल सेल एनीमिया रोग के लक्षण** एनीमिया पीलापन दिखाई देना बार-बार संक्रमण बीमार हो जाना। थकान बुखार एवं सूजन तथा कमजोरी महसूस करना। रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाना जोरो में दर्द या सूजन छाती में दर्द सांस फूलना पीठ पेट में दर्द रोगी क्या करें दिन भर ज्यादा से ज्यादा पानी पिए 10 से 15 ग्लास डॉक्टर की सलाह से फोलिक एसिड गोली प्रतिदिन ले उल्टी दस्त पसीने से शरीर का ज्यादा पानी बाहर निकलने पर डॉक्टर से संपर्क करें। संपूर्ण संतुलित आहार ले हर 3 महीने में हीमोग्लोबिन स्तर तथा श्वेत रक्त कोशिकाओं की संख्या की जांच करें । **रोगी क्या ना करें** ज्यादा गर्मी या धूप में बाहर नहीं निकले ज्यादा ऊंचाई वाले पहाड़ों हिल स्टेशनों पर न जाए ज्यादा ठंड बाहर न जाए ।समय पर डॉक्टर की सलाह ले सिकल सेल एनीमिया रोग के उन्मूलन हेतु राज्य में 0 से 40 वर्ष उम्र के लोगों के लिए सिकल सेल जांच का आयोजन किया जा रहा है। व्यापक प्रचार के लिए सिकल सेल जागरूकता रथ को अस्पताल परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर पीके शर्मा, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉक्टर प्रभात रंजन, जिला वीबीडी पदाधिकारी डॉ अभय यादव शिक्षा विभाग के सूरज श्रीवास्तव, डीपीएम समरेश सिंह, डीपीसी प्रवीण सिंह, राजेश राय, सुधांशु शेखर सभी प्रखंड की बी टी टी एवं शहरी सहिया उपस्थित थे।

भारत विकास परिषद देवघर शाखा द्वारा बाल संस्कार शिविर का आज हुआ समापन

अंतिम दिन पूर्ण भारतीय संस्कृति के साथ गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम हुआ

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भारत विकास परिषद, देवघर शाखा द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पुनसिया, देवघर में तीन दिवसीय बाल संस्कार शिविर का पूर्ण भारतीय सांस्कृतिक अंदाज में समापन किया गया। इस बाल संस्कार शिविर के माध्यम से बच्चों में भारतीय संस्कृति की अलख जगाया गया। इस बाल संस्कार शिविर को मेधा योग (आर्ट ऑफ लिविंग), संस्कृत व स्वस्ति वाचन, वैदिक गणित और बेसिक मधुर संगीत से पिरोया गया । आज अंतिम दिन गुरु वंदन छात्र अभिनंदन किया गया। विद्यालय के सभी छात्रों ने अपने विद्यालय के शिक्षकों, निशांत जी सहित शिविर के गुरुजनों और विद्यालय समिति के अध्यक्ष चांदमणि द्वारी एवं सदस्य सुधीर पासी की वंदना तिलक लगाकर, फूल-अक्षत बरसा कर तथा आरती उतारकर किया। इससे पहले उनके हाथों में ताम्बुल और श्रीफल (नारियल) देकर सत्कार किया गया। वहीं सभी गुरुजनों ने सभी छात्रों को एक-एक पुस्तक भेंट कर तथा पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। इस तीन दिवसीय शिविर में तीन दिनों तक आर्ट ऑफ लिविंग के वरीय प्रशिक्षक निशांत जी ने मेधा योग के अंतर्गत बच्चों को खूबसूरत अंदाज में योग, स्वासों की क्रिया, ॐ और विभिन्न लयों, सहज योग और ध्यान के माध्यम से बच्चों की एकाग्रता और मेधाविता को समग्र बनाने का अभ्यास कराया। पिंटू कुमार पाण्डेय और आशुतोष पाण्डेय ने बच्चों को सरल संस्कृत वार्ता तथा संस्कृत स्तुति वाचन कराया। देवघर कोर्ट से सेवानिवृत्त अधिकारी शशि शेखर सिंह ने वैदिक पद्धति से गणित को रोचकपूर्ण तरीके से हल करना सिखाया। बच्चों को संगीत का अलाप भी सिखाया गया तथा ताल और राग का भी अभ्यास कराया। भारत विकास परिषद की परंपरानुसार प्रतिदिन समवेत वंदे मातरम् गीत से शुभारंभ तथा राष्ट्र गान जन गण मन गाकर शिविर संचालन का समापन कराया गया। आज अंतिम दिन शाखाध्यक्ष आलोक मल्लिक, सचिव कंचन शेखर सिंह, कोषाध्यक्ष एस पी भुईयां बिलास तथा सेवा संयोजक रंजीत बरनवाल ने उत्साहपूर्ण माहौल में शिविर को समाप्त कराया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अंकिता और विद्यालय समिति के अध्यक्ष चांद मणि द्वारी ने भारत विकास परिषद देवघर शाखा के प्रति आभार प्रकट किया और बताया कि बच्चों को इस शिविर से काफी लाभ मिला है।

सदर प्रखंड सभागार में PRI सदस्यों और विभागीय कर्मियों ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

साहिबगंज:

साहिबगंज सदर प्रखंड सभागार मे बृहस्पतिवार को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में पंचायती राज प्रतिनिधियों (PRI) एवं सभी विभागों के कर्मियों ने एकजुट होकर नशा मुक्त समाज निर्माण के लिए शपथ ली।इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मियों ने समाज में व्याप्त नशाखोरी जैसी कुरीति को जड़ से समाप्त करने और लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया। सभी ने शपथ लेते हुए कहा कि वे स्वयं नशा से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे।इस पहल का उद्देश्य जिले को नशा मुक्त बनाना और समाज में स्वस्थ एवं सकारात्मक वातावरण स्थापित करना है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने नशा मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया और सभी वर्गों से इसमें सहयोग की अपील की। नशे से मुक्त समाज की ओर एक मजबूत कदम बढ़ाएं।

हूल दिवस एवं मुख्यमंत्री आगमन को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

साहिबगंज:

आगामी हूल दिवस के सफल आयोजन एवं माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लेकर आज समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में एक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, सिविल सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार संथालिया, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, वरीय अधिकारीगण एवं प्रखंड विकास पदाधिकारीगण उपस्थित थे।बैठक में हूल दिवस समारोह को गरिमा एवं ससमय रूप से सम्पन्न कराना है, साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तावित उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में उपायुक्त ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएं तथा आपसी समन्वय बनाकर कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए टेंट व पंडालों को वाटरप्रूफ बनाया जाए ताकि कार्यक्रम में किसी प्रकार की व्यवधान उत्पन्न न हो।उपायुक्त ने बताया कि हूल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन का आगमन प्रस्तावित है। ऐसे में उनकी सुरक्षा, स्वागत, मंच व्यवस्था, आमजन की बैठने की सुविधा, मीडिया कवरेज, एलईडी स्क्रीन, टेलीप्रॉम्प्टर आदि सभी पहलुओं पर बारीकी से ध्यान देने की आवश्यकता है। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को उद्घाटन व शिलान्यास हेतु चिन्हित योजनाओं से संबंधित सभी दस्तावेजी प्रक्रियाएं पूर्ण करने का निर्देश दिया।कार्यक्रम स्थल भोगनाडीह पार्क की सजावट एवं समुचित व्यवस्था को लेकर भी विशेष निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि यह स्थल शहीद वीर सिध्दो-कान्हू की धरती है, अतः इसकी गरिमा को ध्यान में रखते हुए हर व्यवस्था सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सम्मानजनक स्वरूप में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम जनसंवाद एवं सेवा वितरण का भी अवसर है, जिसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।उपायुक्त ने पुलिस अधीक्षक के साथ विधि व्यवस्था को लेकर विस्तृत मंथन किया। उन्होंने कहा कि यातायात, आम जनता की आवाजाही, सुरक्षा घेरा, इमरजेंसी मेडिकल सेवाएं, अग्निशमन व्यवस्था, वीआईपी मूवमेंट आदि सभी पर विभाग वार कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। जिला नियंत्रण कक्ष को सक्रिय रखते हुए पूरे कार्यक्रम की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।बैठक में उपायुक्त ने पेयजल, स्वच्छता, मशीनयुक्त शौचालय, संबंधित स्थलों पर पर्याप्त जनरेटर व लाइटिंग, स्वास्थ्य सुविधा, प्राथमिक उपचार केंद्र, दवा वितरण, बैठने की समुचित व्यवस्था, एलईडी स्क्रीन, साउंड सिस्टम, डिजिटल प्रदर्शन आदि के लिए संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए।बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम की पूर्व संध्या तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने सभी पदाधिकारी को निर्देशित किया कि वे स्थल निरीक्षण करते रहें, विभागीय समन्वय बनाकर सूचनाओं का आदान-प्रदान करें एवं निर्धारित समय में अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन समर्पित करें।

संक्षिप्त समाचार

रोड बनी नदी,घरों मे घुसी पानी

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - पुरूलिया पथ निर्माण कार्य में संवेदक के घोर लापरवाही बरती गई है।नाली,पुलिया,सड़क आदि निर्माण कार्य मे मात्र खाना पूर्ति की गई है।जिसका नतीजा खुलकर सामने आ गई है।मुहल्लावासियों का कहना है पहले यह पुल बड़ा और काफी मजबूत था पथ निर्माण विभाग द्वारा रोड चौरीकरन के दौरान पुलिया को काफी छोटा और कमजोर बनाकर मात्र खाना पूर्ति कि गई है पानी का बहाव काफी कम हो गया है जिससे इस क्षेत्र का एकमात्र हॉस्पिटल जलमग्न हो जा रहा है।पथ निमार्ताओं द्वारा मानसून की जानकारी होने के बावजूद लापरवाही बरती जा रही है।जिसके कारण मुहल्लावासियों एवं मरजों को आवागमन मे काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अभी पूरी बरसात बाकी है।आज रात की पहली तेज वारिस ने खोल दिया पोल।रोड़ बनी नदी और कई घरों में घुस आए पानी, द्वारिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर महिलौंग भी जलमग्न हो गई है जिससे द्वारिका हॉस्पीटल की स्थिति भयावह बन गई है।हॉस्पिटल के निचले तल्ला में पानी घुस जाने के कारण मरीजों को ऊपरी तल्ला में शिफ्ट कराया जा रहा हैं और पार्किंग में तैर रही है गाड़ियां,मरीज के परिजन भी कही परेशान हो रहे हैं।आवागमन भी पूर्णरूपेण बाधित हो गई है। द्वारिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर महिलौंग के कर्मचारियों एवं छात्र क्लब ग्रुप के स्वयंसेवकों द्वारा राहत कार्य जारी कर दी गई है।यह जानकारी छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने दी है।

मांडर व चान्हो प्रखंड मे पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से आम जनजीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर व चान्हो प्रखंड में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से आम जनजीवन पूरी तरह पूरी तरह अस्त व्यस्त हो गया है. रुक रुक कर हो रही मूसलाधार बारिश से सड़कों व घरों के आसपास जलजमाव से लोग परेशान हैं. गरीबों के कच्चे आशियानों पर तो आफत है के गांव में मिट्टी के मकानों के गिरकर क्षतिग्रस्त हो जाने की सूचना है. मांडर में कोइल नदी में आई बाढ़ के कारण कंजिया के छलका पुल पानी में डूब गया हैं. वहीं चान्हो प्रखंड के बीजूपाड़ा से गोसाईं टोली तक जाने वाली कच्ची सड़क बीच रास्ते में बह गई है जबकि हुटार से बेजांग के बीच भी कच्चा सड़क बह गया है. जिससे दोनों सड़क में आवागमन बंद हो गया है. प्रखंड के तरंगा गांव के मुख्य पथ में जलजमाव से ग्रामीणों को भारी परेशानी हो रही ही वहीं यहां बारिश से एहसान खान नामक एक व्यक्ति का कच्चा मकान गिरकर क्षतिग्रस्त हो गया है!

सांसद राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर कांग्रेसियों के द्वारा केक काटा गया

साहिबगंज:

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी के 55वें जन्मदिन के शुभ अवसर पर कांग्रेसजनों ने साहेबगंज कांग्रेस कार्यालय में एक समारोह का आयोजन किया. जिलाध्यक्ष बरकतुल्लाह खान के नेतृत्व में केक काटा गया और राहुल गांधी के चित्र को केक खिलाकर शुभकामनाएं दी गईं। इस शुभ अवसर पर जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी धर्मों और वर्गों का सम्मान करते हुए देश को तरक्की की राह पर ले जाने का काम करती आ रही है. सांप्रदायिकता और नफरत फैलाने वाली ताकतों के खिलाफ राहुल गाँधी जी देश के कोने कोने में मुहब्बत का पैगाम फैलाकर सांप्रदायिक ताकतों नाकाम कर दिया. इस अँधेरे काल में राहुल गाँधी एक मशाल की तरह लोगों की जिंदगी में राशनी भरने का काम कर रहे हैं. बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक असमानता के मुद्दे पर जनता के बीच रहकर राहुल गाँधी लगातार संघर्ष कर रहे हैं. जातिगत जनगणना पर उनके प्रयासों को जिला अध्यक्ष ने ऐतिहासिक बताया.

कोटालपोखर को प्रखंड बनाने का प्रस्ताव जिला परिषद साहिबगंज से प्रस्ताव पारित

साहिबगंज:

कोटालपोखर को प्रखंड बनाने का प्रस्ताव जिला परिषद साहिबगंज से प्रस्ताव पारित हो गया।बरहरवा मे पंचायत समिति सदस्य की बैठक में प्रस्ताव पारित हो गए इसके अलावे श्रीकुंड, दरियापुर, पलाशबोना, बिनोदपुर, आगलोई मधुवापाडा,पथरिया बड़ासोनाकड, कोटालपोखर मयूरकोला पंचायत के ग्राम सभा से भी प्रस्ताव पारित कर भेज दिया गया।इसके लिए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन,पूर्व मंत्री आलमगीर आलम,पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम, झामुमो केंद्रीय कमेटी सचिव पंकज मिश्रा, झारखंड कांग्रेस प्रदेश महासचिव तनवीर आलम के प्रयास सराहनीय रहा ।ईसके अलावे 10 पंचायत के मुखिया, वार्ड सदस्य, ग्रामीण, पंचायत समिति सदस्य, प्रखंड के प्रमुख सुशीला हासंदा, उपप्रमुख अब्दुल कादिर, हमारे जिला परिषद सदस्य प्रकाश टोप्पो जिला परिषद के अध्यक्ष मोनिका किस्कु, के अलावा सभी जिला परिषद सदस्य सभी बधाई के पात्र हैं ।

संक्षिप्त समाचार

आवास योजना में अनियमितता के आरोप में ग्रामीण आवास सहायक को सेवा से बर्खास्त किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के ओबरा प्रखंड के उब पंचायत में पदस्थापित ग्रामीण आवास सहायक श्री रविश कुमार भारती को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही, लाभुकों से अवैध राशि की वसूली एवं नियमविरुद्ध कार्यों के आरोप में सेवा से चयनमुक्त कर दिया गया है। उक्त आशय की शिकायत ग्राम पंचायत उब के ग्राम एकौना के लाभुकों द्वारा की गई थी, जिसमें आवास योजना की किस्त निर्गमन हेतु अवैध राशि मांगने का आरोप लगाया गया था। प्राप्त परिवाद के आलोक में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, औरंगाबाद के निदेशक (लेखा, प्रशासन एवं स्व-नियोजन) द्वारा मामले की जाँच कराई गई। स्थलीय जाँच में आरोपों की पुष्टि हुई कि श्री रविश कुमार भारती द्वारा न केवल योजनागत प्रक्रिया का उल्लंघन किया गया, बल्कि कार्य पूर्ण होने के बावजूद लाभुकों को समय पर राशि निर्गत नहीं की गई, जिससे योजना के क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न हुई। सुनवाई एवं तथ्यों के परीक्षण उपरांत उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह द्वारा रविश कुमार भारती को उनके कार्य में लापरवाही, निजी स्वार्थ हेतु कार्य करने एवं अवैध वसूली करने का दोषी मानते हुए सेवा से चयनमुक्त करने की कार्रवाई की गई। जिला प्रशासन, औरंगाबाद द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध ₹जीरो टॉलरेंस₹ की नीति अपनाई गई है। जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद एवं उप विकास आयुक्त के निदेशानुसार सभी प्रखंडों में आवास योजना एवं आवास सर्वे कार्य की नियमित समीक्षा एवं स्थलीय जांच कराई जा रही है। इस संबंध में पूर्व में सभी आवास सहायकों को स्पष्ट चेतावनी दी जा चुकी है कि दोषी पाए जाने पर सभी स्तर के कर्मियों/पदाधिकारियों पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बंदेया से भगा ले जाई गई नाबालिग लड़की राजस्थान से बरामद, आरोपी युवक गिरफ्तार

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)बंदेया थाना क्षेत्र के एक गांव से एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की ओर से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राजस्थान से लड़की को सकुशल बरामद कर लिया है। वहीं, आरोपी युवक को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में पीड़िता के पिता ने बंदेया थाना में अरवल जिला के भादसी गांव निवासी विजय यादव के पुत्र शशि प्रकाश उर्फ छोटू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने नाबालिग लड़की के मोबाइल की लोकेशन ट्रैक कराई। मोबाइल की लोकेशन राजस्थान के हामिदगढ़ में पाई गई। इसके आधार पर एस आई. सुमन कुमारी के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम में सिपाही दीपक कुमार, अमित कुमार और महिला सिपाही हीरा कुमारी को शामिल किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हामिदगढ़ से नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया और आरोपी शशि प्रकाश उर्फ छोटू को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस की तत्परता से एक बड़ी अनहोनी टल गई और परिजनों ने राहत की सांस ली है। मामले की आगे की जांच जारी है।

राष्ट्रीय पठन दिवस पर समकालीन जवाबदेही ने किया वाचन संवाद

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय के महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था समकालीन जवाबदेही परिवार के तत्वावधान में राष्ट्रीय पठन दिवस के मौके पर वाचन संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।संस्था के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र के आह्वान पर संवाद करते हुए प्रबंध संपादक सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने और पुस्तकों के महत्व के बारे में जनता को बताने के लिए प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पठन दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 2017 ई में की गई थी ।केरल राज्य में पुस्तकालय और साक्षरता आंदोलन के जनक पीएम पणिक्कर के जन्मदिन के अवसर पर उनके सम्मान एवं पुस्तकों के अध्ययन आदि में अद्वितीय भूमिका निभाने के लिए इस दिवस को उनके नाम पर समर्पित की गई है इसका मुख्य थीम यही है कि ग्लोबलाइजेशन के युग में वर्तमान युवा पीढ़ी जिस तरह से मोबाइल एवं अन्य सोशल मीडिया के उपकरणों के इर्द-गिर्द घूमती आ रही है ऐसी स्थिति में उन्हें पुस्तकों से जोड़ने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों को मूर्त रूप प्रदान किया जाता है ताकि सोशल मीडिया के जमाने में मोबाइल लैपटॉप के साथ-साथ पुस्तकें भी उनके साथी बने ।यदि पुस्तकें युवा पीढ़ी की साथी बनती है या पाठक वर्ग की साथी बनती है तो उनके जेहन में जो अधकचरा ज्ञान है वह निकल जाता है और किसी भी विषय वस्तु पर जो ज्ञान की पूर्णता होती है उसकी वह सम्यक जानकारी के लिए उपयुक्त हो जाती हैं ।उनके ज्ञान में अभिवृद्धि होती है जिस विषय पर वे जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं वह विषय उन्हें बखूबी पता चलता है। यदि पठन पाठन को जागरूक किया जाए तो पढने की संस्कृति विकसित हो सकती है। इस दिवस के माध्यम से छात्रों शिक्षकों एवं सभी नागरिकों को पढने की आदत को अपनाने और ज्ञान के माध्यम से अपने जीवन को समृद्ध बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

संजय मयूख ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर लोगों को निमंत्रण दिया

सोनपुर ,।

परसा मे भाजपा रास्ट्रीय प्रवक्ता सह विधान परिषद संजय मयूख और बिहार सरकार पूर्व मंत्री राणा रणधीर सिंह ने परसा बाजार मे लोगो के बीच सिवान मे होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र बाटा और लोगो से बड़ी संख्या मे मोदी जी के कार्यक्रम मे चलने का आग्रह किया इस अवसर पर परसा पहुंचने पर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने दोनों आदमी को अंग वस्त्र और बाबा हरिहरनाथ का प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष भूलन जी मंडल अध्यक्ष रामानंद सिंह मंडल अध्यक्ष अजय नाथ पूरी भाजपा नेता संजय चौबे सुमंत तिवारी शैलेश गिरी रामबाबू राय मोनू सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे सभी लोगो ने एक स्वर मे कहा की इस बार का मोदी जी का कार्यक्रम सबसे ऐतिहासिक होगा।

मेक इन बिहार की रेल इंजन दौड़ेगी गिनी में

मढ़ौरा का ऐतिहासिक कदम, वैश्विक पटरियों पर दौड़ेगा भारत में बना कोमो लोकोमोटिव

पहली बार भारत का कोई राज्य वैश्विक बाजार के लिए इंजन करेगा निर्यात

गिनी को निर्यात किया जा रहा है मढ़ौरा में बना रेल इंजन

अब बिहार लिखेगा नई इबारत ह्लमेड इन बिहार, मेक फॉर द वर्ल्ड

पटना,

बिहार के छपरा जिले का मढ़ौरा, जो कभी स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में दर्ज था, अब भारत की औद्योगिक क्रांति के नए अध्याय के साथ जुड़ रहा है। इस लोकोमोटिव फैक्ट्री में बना इंजन पश्चिमी अफ्रीकी देश गिनी को निर्यात किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आगामी 20 जून को रेल इंजन की खेप की रवाना करेंगे। यहां की वेबटेक डीजल लोकोमोटिव फैक्ट्री ने न सिर्फ भारतीय रेलवे को नई ऊर्जा दी है, बल्कि अब यह संयंत्र भारत को वैश्विक लोकोमोटिव मेन्युफेक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में बढ़ रहा है। जो पीएम मोदी के मेक इन इंडिया के विजन को मूर्त रूप तो देगा ही, साथ ही सीएम नीतीश कुमार के विकसित बिहार के सपने को भी साकार करेगा। यह फैक्ट्री वेबटेक इंक और भारतीय रेलवे का एक संयुक्त उपक्रम है, जिसमें वेबटेक का 76 फीसद और रेलवे का 24 फीसद शेयर है। 2018 में स्थापित यह संयंत्र अब तक 729 शक्तिशाली डीजल इंजन बना चुका है। इनमें 4500 HP के 545 और 6000 HP के 184 इंजन शामिल हैं। इस संयंत्र के वैश्विक लोकोमोटिव मैन्युफेक्चरिंग हब बनने के बाद इसकी क्षमता कई गुना बढ़ाने वाली है ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया विजन को बिहार में साकार करती यह फैक्ट्री अब मेक इन बिहार झ मेक फॉर द वर्ल्ड के मंत्र को गूंज दे रही है। पहली बार भारत के किसी राज्य से वैश्विक बाजार के लिए लोकोमोटिव इंजन का निर्माण और निर्यात हो रहा है। 26 मई 2025 को दक्षिण अफ्रीका के गिनी देश के तीन मंत्रियों ने संयंत्र का दौरा किया था। इसके बाद 140 लोकोमोटिव इंजनों की डील फाइनल की गई थी। जिसका नाम (कोमो) KOMO दिया गया था। यह डील करीब 3000 करोड़ रुपये की है। मढ़ौरा के लिए यह सिर्फ एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि ग्लोबल सप्लाई चेन में भारत की नई भूमिका का प्रमाण है। 226 एकड़ में फैली यह फैक्ट्री न सिर्फ लोकोमोटिव बनाती है, बल्कि स्थानीय रोजगार और सप्लाई चेन को भी मजबूती देती है। लगभग 40-50 फीसद पार्ट्स भारत के विभिन्न राज्यों झ महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, जमशेदपुर झ से आते हैं, जबकि कुछ विशेष इंजन अमेरिका से मंगाए जाते हैं। लेकिन अब निर्यात के बढ़ते ऑर्डर और ग्लोबल स्टैण्डर्ड गेज इंजन की मांग को देखते हुए संयंत्र अपनी क्षमता विस्तार की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। यह परियोजना न सिर्फ भारत की उत्पादन शक्ति को दिखाती है, बल्कि यह बिहार जैसे राज्य को औद्योगिक मानचित्र पर अग्रणी भी बनाएगा। इससे न केवल स्थानीय युवाओं को तकनीकी रोजगार मिलेगा, बल्कि स्थानीय सप्लायर नेटवर्क भी मजबूत होगा। वहीं, भारत को पहली बार डीजल लोकोमोटिव के क्षेत्र में वैश्विक निर्यातक बनने का अवसर भी मिलेगा। यह बिहार के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। जो पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार के विकसित बिहार के विजन को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा। मढ़ौरा का लोकोमोटिव अब सिर्फ भारत के लिए नहीं, दुनिया के लिए दौड़ेगा झ यही है मेक इन बिहार की असली शक्ति! यह सिर्फ एक फैक्ट्री की सफलता नहीं, बल्कि बिहार की प्रतिभा, भारत की तकनीक और प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव का प्रमाण है।

21 जून को जिले में पतंजलि परिवार के बैनर तले 26 स्थानों पर मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। 21 जून को जिले में पतंजलि परिवार के बैनर तले 26 स्थानों पर मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस। बताते चलें कि दुनियाभर में हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस साल पूरा विश्व अपना 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने जा रहा है। ऐसे में भारत स्वाभिमान, पतंजलि योग समिति, महिला पतंजलि योग समिति, पतंजलि किसान सेवा समिति एवं युवा भारत के तत्वाधान में यह खास दिन हर साल लोगों के बीच योग के महत्व को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। योगा डे के दिन जगह-जगह योग कैंप का आयोजन किया जाता है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस दिन योग का हिस्सा बन सकें। भारत स्वाभिमान औरंगाबाद के जिला प्रभारी विनोद आर्य ने बताया कि योग करने से व्यक्ति को शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक दिक्कतों को भी दूर करने में मदद मिलती है। ऐसे में इस वर्ष औरंगाबाद जिलेभर में 26 से ज्यादा स्थानों पर पतंजलि परिवार के बैनर तले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन धूमधाम से मनाया जाएगा। इसकी तैयारी के लिए लगातार 19 दिनों से योग का प्रोटोकॉल अभ्यास कार्यक्रम करवाया जा रहा है जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुष भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि शाहपुर सूर्य मंदिर परिसर छठ घाट औरंगाबाद शहर, बम रोड शिवाला मंदिर दाउदनगर, पतंजलि आश्रम गोरडीहा, सीताराम दास कुटिया नरसन रोड हसपुरा, अष्टांग योग केन्द्र बंधवा देवकुंड, विद्या बिहार पब्लिक स्कूल डिहुरी गोह, हाई स्कूल के मैदान ओबरा, आरबीआर हाई स्कूल रफीगंज, बेरी उच्च विद्यालय खिरियावां मदनपुर, बैजनाथ धाम परसर मदनपुर, केताकी देव, सूर्यकुंड तालाब देव, सब्जी मंडी अम्बा, रामपुर देवी मंदिर कुटुंबा, गायत्री मंदिर परिसर नवीनगर, मातृ चरण सेवा सदन सोनौरा पंचायत, देवी मंदिर के परिसर में परशुराम गोठौली पंचायत, दुर्गा रंग मंच जम्होर, कचहरी दुर्गा मंदिर दधपी पंचायत, मटिहानी रिसियप पंचायत, रामरक्षया उच्च विद्यालय बगैया पोखराहा पंचायत, ग्राम खैरी खुरमा, राजकीय मध्य विद्यालय परसडीह पंचायत, हाई स्कूल साया राजपुर पंचायत, लार्ड कृष्णा मॉडर्न स्कूल बालूगंज, दुर्गा मंदिर सिरिस आदि जगहों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस मुख्य आयोजन में महिला प्रभारी ममता जी, कोषाध्यक्ष अवधेश जी, संवाद प्रभारी भोला जी, पतंजलि महामंत्री लूटन जी, कार्यालय प्रभारी डब्बू जी, प्रचार प्रसार व्यवस्था महेंद्र जी, युवा सह प्रभारी भाई रौशन जी, सक्रिय योग शिक्षक राजू गुप्ता, योग शिक्षक डॉ राम प्रकाश मेहता, सीताराम जी, बजरंगी सिंह, बिहारी जी, कार्यकर्ता शंभू जी, प्रदीप जी, जनेश्वर जी, सिद्धेश्वर जी आदि दिनझरात लगे हुए हैं।

कुटुंबा में भाजपा ने संकल्प सभा में गिनायी सरकार की 11 वर्ष की उपलब्धियां

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के अंबा में गुरुवार को भाजपा के मंडल कार्यालय में संकल्प सभा का आयोजन किया गया,भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी से जुड़े दर्जनों लोग शामिल हुए. मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष में देश में कई उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं. उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना, हर घर जल योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, जन धन योजना, फसल बीमा योजना, किसान सम्मान योजना समेत अन्य कार्यों पर चर्चा करते हुए मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल को अमृत काल बताया. अधिवक्ता विजय कुमार निराला ने अपने संबोधन में 11 वर्ष में किये गये विभिन्न उपलब्धियां के बारे में चर्चा की. उन्होंने कहा कि मातृ वंदन योजना, उज्ज्वला योजना, मुद्रा लोन योजना, सौभाग्य योजना, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम आवास योजना जैसी अन्य कई योजना गरीबों के हित में चलायी गयी. जिससे कोई गरीब लाभ लेकर अपना जीविकोपार्जन अच्छे से कर रहे हैं. वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित एवं सुशासित है. जनता के बीच उन्होंने ढेर सारे काम किये हैं, जो जनता के हित में कारगर साबित हो रही है. इस मौके पर पार्टी के जिला उपाध्यक्ष रेखा पासवान, अभय पासवान, पंकज सिंह, सुजीत सिंह, प्रेम चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष डॉक्टर अरुण वर्मा, बलराम साव आदि थे!

राहुल चन्द्रवंशी ने लगाया हैट्रिक बने युवा मोर्चा अध्यक्ष

संगठन के वरीय पदाधिकारीयों को कहा धन्यवाद

देवघर से दिव्य दिनकर
संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-झारखण्ड मुक्ति मोर्चा ने देवघर युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष की घोषणा कर दी है ।पुनः राहुल चन्द्रवंशी को देवघर जिला युवा मोर्चा का दायित्व दिया गया है ,कह सकते हैं शायद राहुल की काबिलियत देखते हुए इन्हें लगातार तीसरी बार युवा मोर्चा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है ।राहुल चन्द्रवंशी के पिछले कार्यकाल में जेएमएम और महागठवन्धन ने देवघर जिला के तीनों सीटो पर विजय का परचम लहराने में युवा मोर्चा की महती भूमिका थी ।वहीं जातीय समीकरण को भी शायद देखा गया गया है जिसका ज्यादा लाभ मधुपुर विधानसभा में होता दिखा था वैसे सारठ विधानसभा और देवघर विधानसभा क्षेत्र में भी लाभ मिला है तभी तो गठवन्धन दल के सभी प्रत्याशियों की विजय हुई थी ।वहीं चुनावी वर्षों और माह में भी जितने बड़े बड़े कार्यक्रम देवघर जिला में हुए उन सभी कार्यक्रमों में राहुल चन्द्रवंशी के नेतृत्व में युवाओं की टोली ने पार्टी हित मे लाभकारी कार्य किए थे ।वर्तमान में भी पद पर जब राहुल नहीं थे,जब वे निवर्तमान अध्यक्ष थे, उस वक्त भी जनता की समस्याओं को लेकर लगातार गम्भीर रहे और उनके हित में कार्य करते रहें, चाहे वह पुलिस प्रशासन से सम्बंधित कार्य हो या स्वास्थ्य महकमें की सभी जगहों पर राहुल के प्रदर्शन को श्रेष्ठ माना गया। इन सभी चीजों को देखते हुए मंत्री हफिज़ूल हसन ने भी उन्हें देवघर जिला में अपना प्रतिनिधि बनाया है और अब फिर राहुल के हाँथ में युवा मोर्चा की बाग डोर दी गई है ।वहीं मौके पर इस दायित्व के मिलने का बाद राहुल ने केंद्रीय नेतृत्व हेमंत सोरेन,मंत्री हफिज़ूल हसन,जिला अध्यक्ष संजय कुमार शर्मा सहित सभी वरीय पदाधिकारी को धन्यवाद दिया है और कहा मैं उसी जोस खड़ोस के साथ संगठन के हित मे कार्य करूंगा जैसा करते आया हूँ ।वहीं युवाओं में भी हर्ष का माहौल दिख रहा है और सभी बधाई दे रहें हैं।

भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रैयतों की समस्याओं के समाधान हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में भारतमाला परियोजना के अंतर्गत वाराणसी-कोलकाता खंड के 4/6 लेन पथ निर्माण हेतु पैकेज-06 में नवीनगर अंचल स्थित मौजा पाण्डेय करमा के किसानों के साथ जिला पदाधिकारी औरंगाबाद द्वारा संवाद स्थापित किया गया। इस वार्ता के दौरान किसानों द्वारा अधिग्रहित भूमि से संबंधित प्लॉट अद्यतन, एल.पी.सी. निर्माण, तथा अंचल स्तर पर परिमार्जन प्लस में आवेदन खारिज होने जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा किसानों की समस्याओं के शीघ्र समाधान और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में अधिग्रहित मौजा के हितबद्ध रैयतों को एल.पी.सी. निर्गत करने तथा भुगतान हेतु अभिश्रव जमा कराने की प्रक्रिया को सुचारु रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से दिनांक 20 जून 2025 को पूर्वा 10:00 बजे से पंचायत सरकार भवन, सिमरी धमनी में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर के दौरान संबंधित अंचल मौजा के राजस्व कर्मचारी, अंचल निरीक्षक एवं राजस्व अधिकारी जमाबंदी पंजी एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों के साथ उपस्थित रहेंगे। कैम्प स्थल पर ही रैयतों को एल.पी.सी. निर्गत करने की प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। साथ ही पंचायत सचिव एवं ग्राम कचहरी सचिव की उपस्थिति में वंशावली से संबंधित आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। जिला प्रशासन औरंगाबाद द्वारा सभी संबंधित किसानों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थिति दर्ज कराकर इस अवसर का लाभ उठाएँ।

नाबालिग लड़की की तस्करी का खुलासा, महिला ने 2 लाख में बेचा, पुलिस ने नागौर से कराई बरामदगी

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद):मानव तस्करी के एक चौंकाने वाले मामले में औरंगाबाद जिले की बंदेया थानाक्षेत्र एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर राजस्थान ले जाकर 2 लाख में बेच दिया गया। घटना में शामिल महिला और खरीददार को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार, रफीगंज प्रखंड के माड़ीपुर गांव निवासी हनुमान राम की पत्नी बेबी देवी पहले गोह बाजार पहुंची, जहां से वह बंदेया थाना क्षेत्र के एक गांव में गई और वहां की एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ राजस्थान ले गई। राजस्थान पहुंचने के बाद बेबी देवी ने नागौर जिले के सरवनलाल के पुत्र लालाराम के हाथों उक्त नाबालिग को 2 लाख में बेच दिया। घटना का खुलासा तब हुआ जब नाबालिग के पिता ने बंदेया थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई। तत्पश्चात थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लड़की के मोबाइल का लोकेशन ट्रैक कराया। मोबाइल लोकेशन के आधार पर थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने एस आई सुमन कुमारी के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया, जिसमें सिपाही हीरा कुमारी, दीपक कुमार, अमित कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। टीम ने राजस्थान के नागौर में छापेमारी कर नाबालिग लड़की को बरामद कर लिया। साथ ही आरोपी बेबी देवी और खरीददार लालाराम को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार किया। बेबी देवी ने 2 लाख में लड़की को बेचने की बात मानी, जबकि लालाराम ने उसे उतनी ही राशि में खरीदने की पुष्टि की। पुलिस ने दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और आगे की जांच जारी है। यह मामला न सिर्फ मानव तस्करी की गंभीरता को उजागर करता है, बल्कि महिला अपराधियों की भूमिका को भी सामने लाता है।

धर्म का एक दशक: मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

>> विचार

“ इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है, बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरूहुआ था, वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता था, वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं। राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे, लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है।भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा, जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फ एक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैं, बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं। और उस स्मृति में, धर्म की निगरानी में, भारत ने फिर से अपनी आवाज पाई है।

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

जनवरी 2024 में, जब पावन नगरी अयोध्या में सूर्योदय हुआ।सदियों से लुप्त हो चुकी प्रार्थना अब आखिरकार गुंजायमान होने लगी थी। श्री राम की अपने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महज एक धार्मिक उपलब्धि नहीं थी।यह सभ्यता के उद्धार का क्षण था। सदियों के आक्रमण, औपनिवेशिक विकृति और राजनीतिक देरी के बाद, मंत्रों से गूंजता हुआ और इतिहास के स्पंदन सहित, बलुआ पत्थर में उकेरा गया यहमंदिर शान से खड़ा था। यह सिर्फ वास्तुकला के बारे में नहीं था,यह एक घायल आत्मा के उपचार के बारे में था। श्री राम की अपनी जन्मभूमि पर वापसी ने उस राष्ट्र की आस्था को फिर से जागृत कर दिया, जिसने लंबे समय तक अपने दिल में निर्वासन की खामोशी को समेटे रखा था। कुछ महीने पहले, भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सेंगोल कोस्थापित किया।यह एक पवित्र राजदंड है, जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से, इसे भुला दिया गया था, समुचित स्थान से वंचित किया गया, और एक प्रचलितराजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था।इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था - यह एक शक्तिशाली घोषणाथी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया।यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था, जिसे उपनिवेशवाद के बाद के क्रम में लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया था। इतना ही नहीं, इन क्षणों ने एक गहरे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत दिया।यह एक सभ्यतागत गतिविधि के तौर पर ग्यारह परिवर्तनकारी वर्षों में सामने आएगी। 2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय

योग दिवसपहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। योग केवल एक स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या भर नहीं है,बल्कि यह पिछले कुछ वर्षों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक निर्यात भी बन गया है। आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार को संस्थागत बल दिया गया।इसके परिणामस्वरूप आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर पहुंचने में मदद मिली। समानांतर रूप से, सरकार ने संस्कृत, तमिल, पाली और प्राकृत जैसी शास्त्रीय भाषाओं को संरक्षित करने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और उस्तादएवं हमारी धरोहर जैसी योजनाओं के तहत लुप्तप्राय लोक कलाओं औरशिल्पों का समर्थन करने के लिए मिशन शुरू किए। भारत की ऐतिहासिकों इमारतों में भी नई जान आ गई। 2018 में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण केवल व्यापकता के बारे में नहीं था,बल्कि एक गाथा को पुनः प्रतिष्ठित करने जैसा था। सरदार वल्लभभाई पटेललंबे समय से ओझल हो रहे थे।उनको राष्ट्रीय स्मृति में सबसे आगे रखा गया। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक था। यह औपनिवेशिक प्रतीकवाद से देशी जवाबदेही की ओरबदलाव का भी प्रतीक था। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्रीश्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग के बीच 2019 की अनौपचारिक शिखर वार्ताकी तुलना मेंशायद कोई भी कूटनीतिक वार्ता इस बदलाव को बेहतर तरीके से नहीं दर्शाती है। दिल्ली के गलियारों से दूर, प्राचीन बंदरगाह कानगर, जो कभी पल्लव राजवंश और भारत-चीनी समुद्री संबंधों का एक संपन्न केंद्र होने के साथ-साथ दो सभ्यताओं के बीच वार्ता की पृष्ठभूमि बन गया। जब नेता चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों और पत्थर के रथों के बीच चले, तो भारत ने न केवल भूगोल, बल्कि इतिहास औरन केवल प्रोटोकॉल, बल्कि विरासत को भी प्रस्तुत किया। यह अपने सबसे सूक्ष्म और सबसे मजबूत रूप में सॉफ्ट पावर था। यह सांस्कृतिक लोकाचार अन्य तरीकों से भी भारत की वैश्विक कूटनीति में प्रवाहित हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व के नेताओं को राजकीय उपहार के तौर परपट्टचित्र पेंटिंग से लेकर बच्चों के लिए लाख के खिलौने भेंट किए गए,जो अपने साथ भारत के कारीगरों और कालातीत परंपराओं के संदेश लेकर गए। 2023 में जी-20 की अध्यक्षता एक और सांस्कृतिक उपलब्धि साबित हुई। दिल्ली के डिप्लोमेटिक हॉल तक सीमित न रहकर, यह शिखर सम्मेलन सांस्कृतिक पहचान का अखिल भारतीय उत्सव बन गया। आदिवासी कला प्रदर्शनों से लेकर शास्त्रीय प्रदर्शनों तक, भारत ने न केवल अपनी नीतिगत गहराई, बल्कि अपनी आत्मा का भी प्रदर्शन किया। हर प्रतिनिधिमंडल भारत के रंगों, व्यंजनों, शिल्प और चेतना में डूबा हुआ था। संदेश स्पष्ट था: भारत भूतकाल की सभ्यता नहीं है - यह जीवंत, सशक्त और आत्मविश्वास से परिपूर्ण वैश्विक सभ्यता है।इन वर्षों के दौरान, 600 से अधिक चोरी की गई कलाकृतियांविदेशी संग्रहालयों और संग्रहकर्ताओं से वापस लाई गईं, जिनमें मूर्तियां, शिलालेख और पांडुलिपियां शामिल हैं।इनमें से प्रत्येक की वापसी न केवल कला की बल्कि सम्मान की बहाली थी। इसी तरह, गुरु गोविंद सिंह के वीरशहजादों की शहादत को याद करने के लिए वीर बाल दिवस की स्थापना की गई, जबकि जनजातीय गौरव दिवस ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रीय केन्द्र में लाया। महामारी भी सांस्कृतिक लौ को मद्धिम नहीं कर पाई। वर्चुअल कॉन्सर्ट, डिजिटल म्यूजियम टूर और "मनकीबात" केमाध्यमसे, प्रधानमंत्री ने सुनिश्चित किया कि कला, कहानियां और सांस्कृतिक गौरव लॉक-डाउन के एकांत में भी पुष्पित-पल्लवित होते रहें। विकासभी, विरासत भी"के नारे जैसेअभियान में ये सभीसमाहित हो गए। यह एकआह्वान है जो आर्थिक विकास को सांस्कृतिकगौरवकेसाथ-साथचलने पर जोर देता है।मोदीसरकारकेतहत, यह नारा केवल बयानबाजी नहीं था। इसने एक नई दृष्टि को परिभाषित किया। एक दृष्टि,जिसमें जीडीपी वृद्धि, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर व रक्षा आधुनिकीकरण, मंदिर जीर्णोद्धार, आदिवासी गौरव और सभ्यता की गाथा समाहित थे। भारत आज अपनी पहचान के इर्द-गिर्द नहीं घूमता। बिना किसी पछतावें और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर यह आगे बढ़ता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवादप्रगति की बाध्यकारी शक्ति के रूप में उभरा है, जिसे कभी प्रतिगामी के रूप में खारिज कर दिया गया था। भाजपा के वैचारिक कम्पास में, संस्कृति केवल एक सहायक भर नहीं है, बल्कि धुरी है। इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है, बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरू हुआ था, वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता था, वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं। राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे, लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है।भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा, जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फ एक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैं, बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं। और उस स्मृति में, धर्म की निगरानी में, भारत ने फिर से अपनी आवाज पाई है।

(लेखक केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार)

संपादकीय

युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा है-‘हमें पता है कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई कहां छिपे हैं? वह आसान टारगेट हैं, लेकिन अभी वहां सुरक्षित हैं, क्योंकि अभी हम उन्हें मारना नहीं चाहते।’ लगभग यही भाषा इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बोल रहे हैं। दोनों नेताओं के पास पर्याप्त जानकारी है कि ईरान के ‘मजहबी नेता’ मौजूदा दौर में बेबस और अलोकप्रिय हैं। अफगानिस्तान में सोवियत संघ और अमरीका दोनों ही महाशक्तियां पराजित हुई हैं। अमरीकी सैनिक तालिबान लड़ाकों के बढ़ते कदमों को रोक नहीं पाए, नतीजतन तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन को अमरीकी सेनाओं की वापसी का निर्णय घोषित करना पड़ा। बहरहाल अब ईरान के संदर्भ में अमरीका और इजरायल की मंशा क्या है? कैसे थमेगा यह युद्ध? यह युद्ध भी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं और सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित करेगा। ईरान की राजधानी तेहरान को तुरंत खाली कर देने के बयान राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू दोनों ने दिए हैं, नतीजतन पलायन और विस्थापन शुरू हो गए हैं। भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने का अभियान भी आरंभ हो चुका है। तेहरान में करीब 98 लाख लोग बसते हैं। शहर छोडऩे की होड़ मची है। खाड़ी देशों और इजरायल में करीब 1 करोड़ भारतीय व्यापार और नौकरी कर रहे हैं और विद्यार्थी भी हैं। अकेले ईरान में ही 10,765 भारतीय हैं, जिनमें 1500 से अधिक छात्र हैं। वे सभी अस्थिर होंगे। इजरायल-ईरान युद्ध पर महत्वपूर्ण रुख अख्तियार करने का मौका जी-7 समूह के विकसित और संपन्न देशों के पास भी था, लेकिन वे चूक गए और संघर्ष कम करने का ही आह्वान कर सके। उन्होंने इजरायल का पक्ष भी लिया और हमले को ‘आत्मरक्षा का अधिकार’ करार दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए, बल्कि शिखर सम्मेलन के अधबीच ही वाशिंगटन लौट गए। उन्होंने कहा है कि हम जंग का अंत चाहते हैं, बिल्कुल अंत, सिर्फ युद्धविराम के पक्ष में नहीं हैं। अंत तभी होगा, जब ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम बंद करना स्वीकार कर लेगा। हम ईरान के पास परमाणु बम नहीं देख सकते और न ही वह बना सकता है, लिहाजा ईरान ‘बिना शर्त आत्मसमर्पण’ करे। एक तरफ अमरीका का रुख यह है और दूसरी तरफ 40 से ज्यादा लड़ाकू विमान यूरोप भेजे हैं, जिससे युद्ध समाप्त किए जाने की मंशा साफ नहीं होती। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में जो समग्र कार्य योजना बनाई गई थी, उसमें ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को अच्छी तरह काट दिया गया था। कोई भी सैन्य अभियान यह संभव नहीं कर सकता। विडंबना है कि ट्रंप उस कार्य योजना को खारिज कर चुके हैं। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। यह दोनों पक्षों के लिए हानिकारक ही होता है। साथ ही इससे पूरे विश्व की शांति भी भंग होती है।

मध्यप्रदेश भाजपा : एक अनार और छह बीमारों के बीच घोड़ा पछाड़ युद्ध

संजय पराते

अनार के बारे में माना जाता है कि इसका नियमित सेवन स्वास्थ्यवर्धक है, शरीर में खून की मात्रा बढ़ाता है, दिमाग को तरो ताजा रखता है और बीमारी को दूर भगाता है। समस्या तब पैदा होती है, जब अनार केवल एक हो और इसके सेवनकर्ता इच्छुक लोग एक से ज्यादा हो। तब यह अनार जी का जंजाल बन जाता है। यही हाल मध्यप्रदेश का है। मुख्यमंत्री का पद एक है और दावेदार अनेक। आज भाजपा का हर नेता अपने स्वास्थ्य के लिए इस पद को हथियाना चाहता है। जिसके पास यह पद होता है, उसकी सारी बीमारियां छू-मंतर हो जाती है। जिसको इस पद से हटाया जाता है, उसकी काया बीमारियों का घर बन जाती है। इसलिए यहां की रामनामी सरकार के लिए मुख्यमंत्री का पद रामबाण औषधि है। विधानसभा चुनाव के बाद यहां के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान किस तरह हटाए गए, पूरी जनता जानती है। चुनाव में भाजपा को अपने बल-बूते प्रचंड विजय दिलाने वाले चौहान को बे-आबरू होकर अपने कूचे से जाना पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी के एक लिफाफे ने, जिसमें नए मुख्यमंत्री का नाम लिखा था, उनकी कुर्सी छीन ली और न उन्हें, और न उनके समर्थकों को विद्रोह करने, हाईकमान को ललकारने का मौका मिला। प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजय वर्गीय को भी मन मारकर मोहन यादव के समर्थन में हाथ उठाना पड़ा, जबकि विधानसभा चुनाव की पूर्व संध्या से ही उनकी नजर इस कुर्सी पर थी। मोदी के एक लिफाफे ने उनकी पुख्ता दावेदारी को मिट्टी में मिला दिया। लिफाफे के मजमून के उजागर होते ही भाजपा के कद्दावर नेता नरेंद्र सिंह तोमर भी कहीं के नहीं रहे। ऑपरेशन सिंदूर को केंद्र में रखकर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और मंत्री विजय शाह ने जो बयान दिए, उससे भाजपा की छवि धूमिल ही हुई है। हालांकि, दोनों मंत्रियों ने "सरदार शाबाशी देगा" के अंदाज में भाजपा में

अपना नंबर बढ़ाने के लिए ऐसे मुस्लिम विरोधी बयान दिए थे, ताकि देश और समाज में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की प्रक्रिया तेज हो। संघ-भाजपा चाहती भी ऐसा ही है। लेकिन आम जनता के बीच इन दोनों भाजपा नेताओं के बयान उल्टे पड़े। भाजपा की स्थिति "न उगलते बन रहा, न निगलते बन रहा" वाली बन गई है। ये दोनों महाशय भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं और मुख्यमंत्री मोहन यादव के जाने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन तब तक के लिए उनकी आंखों के कांटे बन गए हैं। शिवराज सिंह चौहान, कैलाश विजय वर्गीय, नरेंद्र सिंह तोमर, जगदीश देवड़ा, विजय शाह -- इन सब गुटों को साधते-संभालते मोहन यादव घनचक्कर बन गए है। लेकिन एक और कद्दावर दावेदार है ज्योतिरादित्य सिंधिया, जो कहने के लिए तो केंद्र में संचार मंत्री हैं, लेकिन राज्य की राजनीति के केंद्र से इतने गायब हैं कि अपने समर्थक विधायक तक को छोटी मोटी पोस्ट पर नवाजने के काबिल नहीं रह गए हैं। उनकी नाराजगी का आलम यह है कि भाजपा के पचमढ़ी शिविर से उनके समर्थक विधायक पूरी तरह से गायब रहे। यह हाल तब है, जब पचमढी शिविर का उदघाटन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने और समापन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया था। बताया जाता है कि इस शिविर में घोड़ा पछाड़ नाम का एक सांप निकल आया था, जिसने शिविर में सनसनी फैला दी थी। इसे घोड़ा पछाड़ इसलिए कहा जाता है कि यह घोड़े-जैसी तेज रफ्तार से दौड़ सकता है। यह सांप लगभग डेढ़ से दो मीटर लंबा होता है। हालांकि इस सांप को वन विभाग के सर्प-मित्रों ने पकड़कर दूर कही छोड़ दिया, लेकिन सांप की अनुपस्थिति से शिविर की सनसनी में कोई कमी नहीं आई। मीडिया खबर दे रहा है कि अपना वजूद जताने के लिए शिवराज सिंह चौहान का अपने गृह क्षेत्र बुदनी से पदयात्रा शुरू है। अंदरखाने भाजपा सुलग रही है और उसकी आंच में कोई हाथ ताप रहा है, तो कोई रोटी सेंक रहा है। मध्यप्रदेश भाजपा में घोड़ा पछाड़ युद्ध जारी है। सब एक-दूसरे को काटने पर तुले हैं और मोहन यादव इस रणक्षेत्र में अपना पद साध रहे हैं। लेकिन पद साधना एक बात है और सरकार चलाना दूसरी बात। क्या आप सोचते हैं कि मध्यप्रदेश में वाकई सरकार चल रही है?

(टिप्पणीकार अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं।)

जीवित रहें पुस्तकालय

विजय गर्ग

किसी समाज की सभ्यता और संवेदनशीलता का पैमाना केवल उसकी भौतिक प्रगति से नहीं, बल्कि उसकी बौद्धिक और सांस्कृतिक चेतना से भी मापा जाता है। यह चेतना कहां विकसित होती है ? क्या केवल विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में ? या फिर केवल घर की चारदीवारी में ? नहीं, यह चेतना उस सार्वजनिक स्थान पर भी आकार लेती है, जहां विचार स्वतंत्र होते हैं, जिज्ञासाएं पूरित होती हैं और ज्ञान की कोई कीमत नहीं होती। वह स्थान है सार्वजनिक पुस्तकालय। मनुष्य के विकास का इतिहास मूलतः ज्ञान और जानकारी की खोज का इतिहास है। सभ्यता की शुरुआत से ही मनुष्य ने जानकारी को संरक्षित करने और साझा करने के विविध प्रयास किए हैं गुफाओं की चित्रकला से लेकर 'डिजिटल आर्काइव' तक।इस संदर्भ में पुस्तकालयों की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण रही है। पुस्तकालय ज्ञान के भंडार से बढ़कर मानवता की सामूहिक स्मृति और विकास की धुरी हैं। विचार और अधिकारःसंयुक्त राष्ट्र के सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा-पत्र के अनुच्छेद 19 में कहा गया है कि 'प्रत्येक व्यक्ति को राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है; इस अधिकार में सूचना और विचारों को बिना किसी सीमाओं के प्राप्त करने, ग्रहण करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता भी सम्मिलित है।' यह अधिकार तभी सार्थक होता है, जब समाज में ऐसे संस्थान हों जो सबको समान रूप से ज्ञान तक पहुंच प्रदान करें। सार्वजनिक पुस्तकालय इस अधिकार की भौतिक अभिव्यक्ति हैं। जब हम सार्वजनिक पुस्तकालयों की बात करते हैं, तो हम उस अधिकार की भी बात कर रहे होते हैं जो हर मनुष्य को सूचना, शिक्षा और आत्मविकास के लिए प्राप्त होना चाहिए। पुस्तकालय विचारों की खान होते हैं, जहां हर आयु, जाति, वर्ग और पृष्ठभूमि का व्यक्ति प्रवेश कर सकता है और अपने बौद्धिक क्षितिज का विस्तार कर सकता है। सार्वजनिक पुस्तकालय लोकतंत्र के उन मौन स्तंभों में से एक हैं, जहां सूचना की समता संभव होती है। अमीर हो या गरीब, पढ़ा-लिखा हो या ज्ञान की शुरुआत करने वाला हर व्यक्ति पुस्तकालय में समान अधिकार के साथ प्रवेश करता है। यही समानता किसी समाज को भीतर से मजबूत करती है।ःजब समाज में शिक्षा की पहुंच बढ़ती है, तो उसे पोषण देने के लिए ऐसे मंचों की आवश्यकता होती है जो औपचारिक शिक्षा से आगे

जाकर जिज्ञासा को जीवित रखें। पुस्तकालय वही मंच है, जहां पाठ्यक्रम की सीमाएं टूटती हैं और पाठक अपनी गति और रुचि के अनुसार सीखने लगता है। वहां कोई परीक्षा नहीं होती, कोई अंक नहीं दिए जाते, फिर भी सीखने की प्रक्रिया अधिक सजीव और आत्मीय होती है। यह आत्म- प्रेरित अध्ययन किसी भी राष्ट्र की सृजनात्मक क्षमता को बढ़ावा देता है। सार्वजनिक पुस्तकालयों का एक और महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि वे सामाजिक एकता के प्रतीक होते हैं। वे विचारों की बहुलता को स्वीकार करते हैं और विभिन्न मतों को एक ही छत के नीचे सह-अस्तित्व प्रदान करते हैं। जहां समाज में ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, वहां पुस्तकालय जैसे स्थान एक शांतिपूर्ण संवाद की संभावना रखते हैं। अलमारी के एक ही खाने में गांधी और मार्क्स की किताबें मिल सकती हैं, तुलसी और कबीर साथ- साथ मिल सकते हैं और यही विविधता हमें सहिष्णुता सिखाती है। ज्ञान का विवेकःतकनीक के इस युग में यह तर्क दिया जा सकता है कि जब सारी जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध है, तो पुस्तकालय की क्या आवश्यकता है! यह भूलना नहीं चाहिए कि इंटरनेट जानकारी तो देता है, पर संदर्भ और विवेक के साथ ज्ञान नहीं देता। पुस्तकालय एक संरचित और विश्वसनीय ज्ञान का भंडार है, जहां किताबों की उपस्थिति और उनका चयन एक विचारशील प्रक्रिया का परिणाम होता है। इसके अलावा, डिजिटल पहुंच आज भी अनेक लोगों के लिए एक विशेषाधिकार है, जबकि पुस्तकालय सार्वजनिक और समावेशी होते हैं। पुस्तकालयों का महत्त्व केवल बौद्धिक नहीं, भावनात्मक और सांस्कृतिक स्तर पर भी है। कितने ही लोगों के लिए पुस्तकालय जीवन की कठिनाइयों में एक आश्रय बनता है। वहां की शांति, किताबों की गंध और पढ़ते हुए समय के रुक जाने का अहसास - यह सब एक मानसिक सुकून देता है जो शायद किसी और स्थान पर नहीं मिलता। किसी किशोर के लिए जो घर में पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण नहीं पा सकता, पुस्तकालय एक नई दुनिया खोल देता है। किसी वृद्ध के लिए, जो अकेलापन महसूस करता है, वहां का माहौल जीवंतता का अनुभव कराता है।

समझ का निवेश :आज जब हम शहरीकरण और डिजिटल विकास के नाम पर जगह-जगह माल और सिनेमाघर बना रहे हैं, तब यह आवश्यक है कि हम पुस्तकालयों को भी उतना ही महत्त्व दें। यह केवल भवनों की बात नहीं है, यह सोच की बात है। सार्वजनिक पुस्तकालयों में निवेश करना एक दीर्घकालिक निवेश है। ऐसा निवेश जो आने वाली पीढ़ियों को सोचने समझने और बेहतर समाज गढ़ने की शक्ति देता है। यह एक ऐसी विरासत है जिसे बनाए रखना, बढ़ाना और प्रसारित करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। सार्वजनिक पुस्तकालयों को केवल एक परंपरागत संस्था समझने की भूल न की जाए। वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने पहले थे. शायद और भी अधिक। समाज की आत्मा को अगर कभी पढ़ना हो, तो वह उसके पुस्तकालयों की अलमारियों में छिपी पड़ी होती है। वहां मौजूद किताबें मनुष्यता के सबसे सुंदर स्वप्नों, विचारों और अनुभवों की अभिव्यक्ति होती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हम अपने सार्वजनिक पुस्तकालयों को न केवल संरक्षित करें, बल्कि उन्हें जीवंत, समृद्ध और समावेशी बनाएं. क्योंकि जहां पुस्तकालय फलते-फूलते हैं, वहीं समाज भी विचारशील, उदार और प्रगतिगामी बनता है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

दो बच्चे की मां एक युवक के साथ फरार पिछले कई महीनों से चल रहा था प्रेम प्रसंग,फरार पत्नी की पति ने कराया दोनों का शादी

दिव्य दिनकर प्रभात कुमार मिश्रा

पाकुड़ : आज के समय सत्य ही कहता है कि कलयुग आ गया है जी हां बड़ी खबर झारखंड के पाकुड़ से है जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की शादी उसके प्रेमी से करा दी है. दरअसल दो बच्चों की मां का उसके प्रेमी के साथ पिछले कई दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था. इस बात की जानकारी जब पति को हुई तो उन्होंने यह कदम उठाया. इसके बाद पूरे इलाके में ये खबर तेजी से फैल गई है. यह मामला हिरनपुर थाना क्षेत्र के घाघरजानी का है'बता दें कि पाकुड़ जिले के हिरनपुर थाना क्षेत्र के घाघरजानी में 45 वर्षीय दो बच्चों की मां और 21 वर्षीय युवक के बीच प्यार हो गया. दोनों के बीच प्यार का परवान इस कदर चढ़ा कि उम्र का तकाजा भी न रहा. इस मामले का सोशल मीडिया में वीडियो खूब वायरल हो रहा है. इस वायरल वीडियो में दिखाया जा रहा है कि महिला के पति ने उसके माथे से सिंदूर मिटाया और उसकी हाथों की कलाई से चूड़ियाँ भी निकाल ली. फिर दोनों प्रेमी को गांव की भरी महफिल में शादी करा दी. इस तरह की घटना ने समाज को किस ओर ले जा रहा है. यह आज के युवाओं को सोच विचार करने की जरुरत है' आपको बता दें कि आजकल एक तरफ जहां लगातार प्रेम प्रसंग के चलते पतियों की हत्या के मामले सामने आ रहे हैं. वहीं दूसरी तरफ अब पतियों ने भी परिस्थितियों से समझौता करने की ठान ली है. क्योंकि विरोध के चलते उन्हें आए दिन मौत के मुंह में जाना पड़ रहा है. शायद इसीलिए इस पति ने भी मध्यम मार्ग अपनाते हुए अपनी ही पत्नी को उसके प्रेमी के साथ रहने के लिए अपनी रजामंदी दे दी. इस तरह समाज के सामने लोगों के बीच अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ विवाह करा दिया.

बिहार की बड़ी यूनिवर्सिटी में फर्जी मार्कशीट घोटाला! छात्र भटक रहे नौकरी और न्याय के लिए

भागलपुर:

तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (TMBU) एक बार फिर विवादों के घेरे में है। इस बार विश्वविद्यालय पर गंभीर आरोप लगे हैं कि छात्र-छात्राओं को फर्जी मार्कशीट और प्रमाण पत्र थमा दिए गए हैं। पीड़ित छात्रों का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन से उन्हें कोई जवाब नहीं मिल रहा है। नतीजतन, न तो उन्हें नौकरी मिल पा रही है और न ही आगे की पढ़ाई या अन्य कामों में वे आगे बढ़ पा रहे हैं।

कॉलेज की छात्रा ने किया खुलासा

पूरा मामला तब सामने आया जब एक कॉलेज की छात्रा ने फर्जी अंक पत्र दिए जाने की शिकायत की। इसके बाद कई अन्य छात्रों ने भी सामने आकर ऐसी ही शिकायतें की हैं। छात्रों का आरोप है कि पैसे लेकर मार्कशीट और एडमिट कार्ड जारी किए जाते हैं, जिसकी कीमत चार हजार से बीस हजार तक ली जाती है।

20 दिन पहले भी उजागर हुआ था बड़ा घोटाला

करीब 20 दिन पहले परीक्षा विभाग के कर्मचारियों द्वारा फर्जी दस्तावेज बेचने का मामला भी उजागर हुआ था। इस घोटाले में दो से तीन दर्जन छात्र-छात्राओं के फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए थे।

कुलपति ने जताई नाराजगी, फिर भी कार्रवाई अधूरी

मामले की गंभीरता को देखते हुए ळटइव के कुलपति प्रोफेसर जवाहरलाल ने प्रशासनिक भवन का दौरा किया और परीक्षा विभाग के कर्मियों को फटकार लगाई। उन्होंने कर्मचारियों के मोबाइल से संदिग्ध चीजें मिलने पर ऋक्षफ़दर्ज करने का आदेश भी दिया। एक कर्मचारी संजय कुमार को निलंबित किया गया, लेकिन इसके बाद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

छात्रों की व्यथा बनी राजनीति का मुद्दा

फर्जी मार्कशीट थामे छात्र आज भी विश्वविद्यालय से लेकर विधायक कार्यालय तक चक्कर लगा रहे हैं। भागलपुर के विधायक अजीत शर्मा ने इस पूरे मामले को लेकर शिक्षा मंत्री और राजभवन को पत्र लिखते हुए उच्च स्तरीय जांच समिति बनाने की मांग की है ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

पूर्व विधान पार्षद सी.पी. सिन्हा को सीएम नीतीश ने दी श्रद्धांजलि, दिहुली गांव पहुंचकर परिजनों से की मुलाकात

पटना :

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज पटना जिला के दुल्हिन बाजार थाना अन्तर्गत दिहुली ग्राम जाकर पूर्व विधान पार्षद एवं राज्य किसान आयोग के पूर्व अध्यक्ष स्व० सी०पी० सिन्हा के श्राद्धकर्म में शामिल हुये। मुख्यमंत्री ने स्व० सी०पी० सिन्हा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इस अवसर पर जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, सांसद एवं जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, विधान पार्षद राधाचरण सेठ, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधान पार्षद कुमुद वर्मा, जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा, पूर्व मंत्री रेणु कुशवाहा, राज्य खाद्य आयोग के पूर्व सदस्य नंदकिशोर कुशवाहा, राज्य नागरिक परिषद् के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पाटलिपुत्र और गोरखपुर के मध्य वंदे भारत ट्रेन का परिचालन दिनांक 20.06.2025 को पाटलिपुत्र से चलेगी उद्घाटन स्पेशल के रूप में तथा दिनांक 22.06.2025 से पाटलिपुत्र और गोरखपुर के मध्य किया जायेगा नियमित परिचालन

हाजीपुर

यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर हाजीपुर-मुजफ्फरपुर-बापूधाम मोतिहारी-नरकटियागंज के रास्ते पाटलिपुत्र और गोरखपुर के मध्य अत्याधुनिक एवं विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त सेमी हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेन का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है । माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिनांक 20.06.2025 को पाटलिपुत्र और गोरखपुर के मध्य चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के परिचालन का शुभारंभ गाड़ी सं. 03210 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत उद्घाटन स्पेशल (Inaugural Special) को हरी झंडी दिखाकर किया जायेगा । दिनांक 20.06.2025 को गाड़ी सं. 03210 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत उद्घाटन उद्घाटन स्पेशल (Inaugural Special) पाटलिपुत्र से 11.50 बजे खुलकर 12.30 बजे हाजीपुर, 13.35 बजे मुजफ्फरपुर, 15.20 बजे बापूधाम मोतिहारी, 15.40 बजे सगौली, 16.20 बजे बेतिया, 17.10 नरकटियागंज, 18.10 बजे बगहा एवं 20.10 बजे कप्तानगंज रूकते हुए 21.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी । दिनांक 22.06.2025 से गाडी सं. 26502/26501 गोरखपुर-पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत ट्रेन का नियमित परिचालन किया जायेगा । यह ट्रेन गोरखपुर और पाटलिपुत्र से शनिवार को छोड़कर सप्ताह में छः दिन परिचालित की जायेगी । गाड़ी सं. 26502 गोरखपुर-पाटलिपुत्र वंदे भारत एक्सप्रेस गोरखपुर से 05.40 बजे खुलकर 06.24 बजे कप्तानगंज, 07.30 बजे बगहा, 08.03 बजे नरकटियागंज, 08.35 बजे बेतिया, 08.50 सगौली, 09.08 बजे बापूधाम मोतिहारी, 10.50 बजे मुजफ्फरपुर, 11.40 बजे हाजीपुर रूकते हुए 12.45 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 26501 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस पाटलिपुत्र से 15.30 बजे खुलकर 16.08 बजे हाजीपुर, 17.00 बजे मुजफ्फरपुर, 18.23 बजे बापूधाम मोतिहारी, 18.43 बजे सगौली, 19.00 बजे बेतिया, 19.33 नरकटियागंज, 20.02 बजे बगहा एवं 21.38 बजे कप्तानगंज रूकते हुए 22.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी ।

नन्हे मुन्ने बच्चों के बीच कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी का मनाया जन्मदिन

बच्चों के साथ मिलकर कांग्रेस की राष्ट्रीय पर्यवेक्षक ने काटा केक

जमालपुर।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सह लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस नेताओं ने जमकर जश्न मनाया। जमालपुर शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में नगर अध्यक्ष साईं शंकर की अध्यक्षता में गुरुवार को मारवाड़ी धर्मशाला परिसर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जन्मदिन समारोह आयोजित किया गया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय पर्यवेक्षक प्रज्ञा फिलिप्स ने नन्हे मुन्ने बच्चों के साथ मिलकर राहुल गांधी के जन्मदिन का केक काटा। किस दौरान बच्चों के बीच केक, मिठाइयां, बिस्कुट और चॉकलेट बांटे गए। कांग्रेस नेताओं ने आचार्य विनोबा भावे द्वारा दिया गया जय जगतर का नारा दिया गया। डॉ एस एन सुब्बाराव द्वारा रचित गीत पर भी बच्चों को प्रैक्टिस कराया गया। पार्टी की राष्ट्रीय पर्यवेक्षक प्रज्ञा फिलिप्स ने कहा कि राहुल गांधी आज आम अवाम के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने इस नफरत के माहौल में देश में सद्भावना लाने का प्रयास कर रहे हैं। नफरत के बाजार में मोहब्बत का दुकान हम लेकर आए हैं। और इसी

मोहब्बत की दुकान खोल राहुल गांधी व्यापारी, किसान, दलित और आदिवासियों की आवाज बनकर देश के हर कोने-कोने में पहुंच रहे हैं। वे सदन में आम जनता के मुद्दों को उठाते रहते हैं। देश का चाहे गरीब किसान हो चाहे गरीब मजदूर या गरीब मोची हो अथवा दलित, पिछड़े, अति पिछड़े, शोषित और वंचित लोग के घर पहुंच कर राहुल गांधी उनकी हालातो से वाकिफ हो रहे हैं। आज बेरोजगार युवाओं के लिए आवाज बनकर हर वर्ग के छात्रों के पास उनकी समस्या सुनने के लिए पहुंच रहे हैं। इसलिए आज हर वर्ग राहुल गांधी में अपना भविष्य तलाश रहे हैं। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव रवि शंकर यादव तथा प्रदेश सचिव मानसी कुमारी ने कहा कि राहुल गांधी भारत की राजनीति में सत्य , करुणा और संविधान की रक्षा के प्रतीक हैं। उनकी सोच युवा भारत को दिशा देती है। मौके पर विभीषण पास्वान, अधिवक्ता अरूण देव सहाय, कमलेश्वरी मंडल, भूपेंद्र नाथ सिंह, कृष्ण मुरारी, कृष्ण प्रकाश, सिद्धेश्वर नाथ विश्वकर्मा, अरविंद मालाकार, विनोद मंडल, प्रेम कुमार, राजन यादव, चंदन तांती, कुंदन कुमार, राहुल कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

औरंगाबाद में पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक, जिला पदाधिकारी ने दिए कई कड़े निर्देश

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में पशुओं के साथ हो रही क्रूरता, अवैध व्यापार और तस्करी जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर पशु क्रूरता निवारण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता जिला पदाधिकारी-सह-अध्यक्ष, पशु क्रूरता निवारण समिति ने की। बैठक में समिति के कार्यकारिणी सदस्य, जिला पशुपालन पदाधिकारी, नगर परिषद के प्रतिनिधि एवं संबंधित पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में पशुओं की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए, जिनमें खासकर ग्लू ट्रैप पर प्रतिबंध, पशु मेलों की निगरानी, पशु तस्करी पर रोक, और आवारा कुत्तों की नसबंदी जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय पिछलें बैठक में चूहों के लिए उपयोग में लाए जाने वाले ग्लू ट्रैप पर प्रतिबंध लगाया गया था, लेकिन इसका अनुपालन न होने पर समिति ने खेद जताया। समिति के सदस्य अजीत कुमार सिंह ने सुझाव दिया कि पशु चिकित्सालयों के माध्यम से प्रचार-प्रसार कर इसके दुष्परिणामों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई जाए। साथ ही सभी सदस्य अपने-अपने क्षेत्र में सूचना मिलने पर जिला पशुपालन पदाधिकारी या पुलिस प्रशासन को सूचित करेंगे। पशु मेलों की निगरानी पर जिले में आयोजित होने वाले पशु मेलों का संचालन तय मानकों के अनुसार हो, इसके लिए कार्यकारिणी सदस्यों को नियमित निरीक्षण का निर्देश दिया गया। पशु तस्करी और गौमांस पर रोक प्रखंड स्तर पर अंचलाधिकारी, थानाध्यक्ष और पशुपालन पदाधिकारी को मिलाकर त्रिसदस्यीय समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया, जो तस्करी और अवैध गौमांस कारोबार की शिकायतों की स्थल जांच कर कानूनी कार्रवाई करेगी। जागरूकता अभियान पशु क्रूरता से संबंधित जानकारी के लिए सभी थानों में होर्डिंग लगाने और एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान लीफलेट और पंपलेट के माध्यम से जागरूकता फैलाई जाएगी। ऑक्सीटोसीन पर नियंत्रण पशुओं में ऑक्सीटोसीन के अवैध उपयोग को रोकने के लिए इसके खरीद-बिक्री पर सख्त निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। साथ ही अगली बैठक में औषधि निरीक्षक को आमंत्रित करने का निर्णय भी लिया गया।

आवारा कुत्तों पर नियंत्रण

शहरी क्षेत्र में आवारा कुत्तों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए उनकी नसबंदी कराने का निर्णय लिया गया। इसके लिए नगर परिषद को प्रबंधन एवं जिला पशुपालन विभाग को तकनीकी सहायता देने का निर्देश जारी किया गया।

खुले में मांस बिक्री पर रोक

खुले में पशु वध एवं मांस बिक्री की घटनाओं पर चिंता जताते हुए इसे पर्दे के पीछे करने का निर्देश नगर परिषद को दिया गया, ताकि धार्मिक और सामाजिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे। कार्यक्रम के अंत में समिति के सभी कार्यकारिणी सदस्यों को पहचान पत्र निर्गत करने का भी निर्देश दिया गया।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: मगध प्रमंडल की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने दिए सख्त निर्देश

पटना:

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारियों को लेकर आज बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा की अध्यक्षता में मगध प्रमंडल की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। यह बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पुराना सचिवालय स्थित सभा कक्ष में आयोजित की गई, जिसमें चुनाव से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में पुलिस महानिदेशक, विनय कुमार, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार, विनोद सिंह गुंजियाल, अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग, अरविंद कुमार चौधरी, प्रमंडीय आयुक्त, मगध, तथा संबंधित जिलों के जिलाधिकारी / पुलिस अधीक्षक सहित कई अन्य वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग का आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बिहार भ्रमण होना है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस दौरे से पहले सभी आवश्यक तैयारियाँ मिशन मोड में शुरू कर दी जानी चाहिए। बैठक में अरवल, नवादा, औरंगाबाद, जहानाबाद और गया जी के जिलाधिकारियों / पुलिस अधीक्षकों ने अपने-अपने जिलों में की जा रही चुनाव तैयारियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देश

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने चुनाव तैयारियों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक 1200 मतदाताओं पर एक बूथ निर्धारित किया जाएगा। उन्होंने कर्मियों के चुनाव सॉफ्टवेयर में डेटा एंट्री का काम समय पर पूरा करने का निदेश दिया। इसके अतिरिक्त, प्राप्त आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित करने, शैडो जोन को चिन्हित कर उनके लिए संचार योजना बनाने, और पर्याप्त वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। गुंजियाल ने अवैध हथियारों और कारतूसों की बरामदगी पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बूथों की सामान्यतः शिफ्टिंग नहीं होगी, बल्कि उन्हीं स्थानों पर अतिरिक्त बूथ बनाना चाहिए। वन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार छापेमारी करने तथा बूथों पर ह्यएश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी' (AMF) उपलब्ध करवाने हेतु संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए।

अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग द्वारा दिए गए निर्देश

अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग, अरविंद कुमार चौधरी ने सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने हथियारों का निरीक्षण करने, शस्त्र दुकानों का निरीक्षण करने, इस्तेमाल किए गए गोली का सत्यापन करने, और थाना में लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि हर महीने सभी कारागारों का औचक निरीक्षण किया जाए। सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखने का भी निर्देश दिया गया, ताकि कोई भी भ्रामक खबर न फैलाए। यदि ऐसा होता है तो तुरंत कार्यवाही की जाए। बैठक के अंत में मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने सभी जिलाधिकारियों को उनके द्वारा की जा रही चुनाव तैयारियों को और त्वरित करने का निदेश किया। उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी RO (रिटर्निंग ऑफिसर), अफ्ड (असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर) ERO/AERO (असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) की रिक्तियाँ हैं, उन्हें जल्द से जल्द भरा जाए। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि यदि कहीं से भी 'पोल बायकॉट' की आसूचना आती है, तो उसे संवेदनशीलता से निपटाया जाए। विनय कुमार, पुलिस महानिदेशक द्वारा सभी पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित गिरफ्तारी वारंटों एवं कुर्की जब्ती वारंटों का त्वरित निष्पादन किया जाय। निर्वाचन से संबंधित दर्ज काण्डों, निर्वाचन एवं शस्त्र अधिनियम से संबंधित दर्ज काण्डों का शीघ्र अनुसंधान पूर्ण किया जाय। जब्त शराब का त्वरित विनिष्टीकरण कराया

जाय अवैध हथियार धारकों के बारे में आसूचना संग्रहित कर लक्षित कर्रवाई की जाय। बिहार अपराध नियंत्रण अधिनियम की धारा 12 के अंतर्गत जिला प्रशासन नवादा द्वारा अच्छी कार्रवाई की गयी है। इसी तर्ज पर अन्य जिलों में भी अधिक-से-अधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। निरोधात्मक कार्रवाई करने के पूर्व स्पष्टतः कार्रवाई करने का मार्गदर्शन दिया गया। मुख्य सचिव द्वारा यह भी निर्देश दिया गया कि स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारी आरम्भ की जाय। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से प्रभावकारी प्रशासनिक व्यवस्थाएं की जाय।

वॉलीबॉल से लेकर बॉक्सिंग तक, अब पटना में अंतरराष्ट्रीय स्तर की इनडोर खेल सुविधाएं होंगी उपलब्ध, BSBCCL कर रहा निर्माण

पटना:

पटना में शीघ्र ही एक और विश्वस्तरीय बहुउद्देशीय इंडोर स्टेडियम का निर्माण होने वाला है। इस बात की जानकारी देते हुए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि बिहार में खेल के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए, बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड (BSBCCL) द्वारा पाटलिपुत्र खेल परिसर के भीतर एक और अत्याधुनिक इनडोर स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। 2,877.98 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र में फैले इस स्टेडियम में 41 फीट की ऊँचाई वाला एक बहुउद्देशीय हॉल होगा, जिसे वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, बॉक्सिंग और अन्य इनडोर खेलों के लिए डिजाइन किया गया है। एक समर्पित उपयोगिता भवन में शौचालय, चेंजिंग रूम, वार्म-अप जोन, प्रशासनिक कार्यालय, स्वागत क्षेत्र और प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। शंकरण ने आगे बताया कि स्टेडियम का निर्माण प्रीफैब्रिकेटेड स्टील संरचनाओं का उपयोग करके किया जाएगा, जिसमें उन्नत PUF-इन्सुलेटेड छत और दीवार पैनल होंगे, जो ऊर्जा संरक्षण के साथ स्थायित्व सुनिश्चित करेंगे। इस स्टेडियम के डिजाइन में वर्षा जल संचयन, एलईडी लाइटिंग और टिकाऊ HVAC सिस्टम सहित हरित भवन सिद्धांतों को शामिल किया गया है। स्टेडियम में 25,000 वर्ग फीट लकड़ी के फर्श वाले हॉल को अत्याधुनिक साउंड और ऑडियो वीडियो प्रणाली युक्त प्रसारण के लिए तैयार समुचित और स्तरीय प्रकाश व्यवस्था के साथ बनाया जाएगा। आगे उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार फर्नीचर और खेल उपकरण लगाए जाएंगे। विद्युत सबस्टेशन, यूपीएस बैकअप और उउळश निगरानी के अलावा ऊर्जा संरक्षण के लिए स्मार्ट लाइटिंग और ऑटोमेशन सिस्टम की भी व्यवस्था रहेगी। इस परियोजना को EPC अनुबंध के तहत क्रियान्वित किया जाएगा, जिसमें मिट्टी परीक्षण और संरचनात्मक डिजाइन से लेकर निर्माण और कमीशनिंग तक सब कुछ शामिल होगा। सभी वैधानिक अनुमोदन और संरचनात्मक जांच ठेकेदार द्वारा की जाएगी, जिसकी देखरेख IIT/NIT विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी। इस स्टेडियम परियोजना का कुल बजट 21.2 करोड़ अनुमानित है जिससे पटना इनडोर खेलों की उत्कृष्टता का केंद्र बन जाएगा।

बालू लदे ट्रकों के कारण औरंगाबाद पटना मुख्य पथ पर लगा भीषण जाम लगा रहा

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के दाउदनगर प्रखंड के तरारी ओवरब्रिज से लेकर डीएवी स्कूल तक व पटना रोड में केरा से शमशेर नगर तक लगी वाहनों की कतार दाउदनगर. बालू लदे ट्रकों के कारण एनएच 139 स्थित औरंगाबाद-पटना मुख्य पथ पर जाम लगा रहा.पता चला कि औरंगाबाद रोड में तरारी ओवरब्रिज से लेकर डएवी स्कूल तक और पटना रोड में केरा से लेकर शमशेर नगर तक सड़क के दोनों किनारे ट्रकों की लंबी कतार लगी रही. थानाध्यक्ष विकास कुमार पुलिस बल के साथ केरा से शमशेर नगर तक जाम हटाने में लगे थे, तो डायल 112 के पुलिसकर्मी व थाने की पुलिस तरारी के पास जाम हटाने में लगी हुई थी. सूत्रों से पता चला कि बालू खनन बंद होने के बाद डंपिंग से उठाव के लिए खनन विभाग द्वारा औरंगाबाद जिले में गुरुवार से ही स्वीकृति दी है. सड़क किनारे ही बालू के कई डंपिंग स्थल बना दिये गये हैं. घाट की ओर जाने वाले रास्ते में भी डंपिंग स्थल बने हैं. इन स्थलों से बालू के उठाव के लिए ट्रक पहुंचने लगे.औरंगाबाद जिले में डंपिंग से बालू उठाव होने के कारण बालू लेने के लिए अचानक ट्रकों का बोझ बढ़ गया. बिहार के विभिन्न जिलों से एवं अन्य स्थानों से काफी संख्या में ट्रक बालू लेने के लिए पहुंच गयै. ट्रक चालकों द्वारा जैसे-तैसे सड़क किनारे इस प्रकार से वाहनों को लगा दिया गया कि एक बार में एक भी वाहन आना-जाना मुश्किल हो रहा था. देखते-देखते वाहनों की लंबी कतार

लग गयी और भीषण जाम हो गया! लगभग पांच घंटे से भी अधिक समय तक रहा जाम सूत्रों से पता चला कि तरारी ओवरब्रिज से डीएवी स्कूल के समीप तक लगभग दो से तीन घंटे तक तथा केरा से शमशेर नगर तक लगभग पांच घंटे से भी अधिक समय तक जाम लग रहा. स्थिति यह दिखी कि एक बाइक तक का चलना मुश्किल हो रहा था. एक तरफ जहां डंपिंग स्थल से बालू लेकर ट्रक निकल रहे थे, तो वहीं दूसरी तरफ बालू लेने के लिए ट्रक डंपिंग स्थल की ओर जा रहे थे. इसके कारण सड़क पर भीषण जाम लग गया. इसी दौरान यात्री वाहनों का भी आवागमन हो रहा था. छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन हो रहा था. वैसे भी एनएच 139 की चौड़ाई काफी कम है, जिसे फोर लेन किये जाने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है. राजद प्रखंड अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने जाम से निबटने के लिए आवश्यक प्रशासनिक कदम उठाने की मांग दाउदनगर एसडीओ और एसडीपीओ से की. इन्होंने कहा कि बेतरतीब तरीके से ट्रक चालकों द्वारा सड़क पर ही ट्रकों को खड़ा कर दिया जा रहा है, जो जाम का कारण बन रहा है. सरकारी व प्रशासन से ऐसी व्यवस्था करने की मांग की कि डंपिंग के संचालक अपने स्तर से अपने डंपिंग स्थल के लिए पार्किंग की व्यवस्था करें, ताकि सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं हो. साथ ही बालू का डंपिंग स्थल सघन आबादी और मुख्य सड़क से एक निर्धारित दूरी पर होना चाहिए और इसके लिए पैमाना तय होना चाहिए. वहीं, दूसरी ओर, थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि सड़क पर ट्रकों को खड़ा करने वाले वाहन चालकों से अब जुमार्ना की वसूली की जायेगी. इसके लिए पुलिस द्वारा अभियान चलाया जाएगा .उन्होंने कहा कि पूरा प्रयास किया जा रहा है कि सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं हो!

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस की तैयारियों की मंत्री ने की समीक्षा, दिल्ली को नशा मुक्त बनाने पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव एवं सहकारिता मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस को लेकर होने वाले आयोजनों की तैयारियों को लेकर दिल्ली पुलिस एवं समाज कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। रविंद्र इंद्राज ने बैठक में दिल्ली को नशा मुक्त बनाने के लिए समाज कल्याण विभाग, पुलिस विभाग और शिक्षा विभाग को समन्वय बनाकर प्रयास करने के लिए कहा। समाज कल्याण मंत्री ने 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर जिलों में होने वाले आयोजनों की प्रगति का विवरण लेते हुए उन्हें और अधिक प्रभावी एवं जन-भागीदारी आधारित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की गरीब और वंचित तबके तक जागरूकता पहुंचाने का हर संभव प्रयास करें। नुक्कड़ नाटकों के मंचन के लिए 64 हॉट स्पॉट का चयन भी इसी आधार पर करें। स्कूल के स्तर पर ही छात्रों को किसी भी परिवार पर नशे की लत से होने वाले शारीरिक, मानसिक और आर्थिक नुकसान के बारे में बताना जरूरी है। युवा वर्ग में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर संवाद और प्रेरक गतिविधियों (जैसे नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी, प्रेरक भाषण आदि) को बढ़ावा दिया जाए।

विद्यानिवास मिश्र जन्मशती पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। पंडित विद्यानिवास मिश्र के जन्मशतवार्षिकी के अवसर पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आज आयोजन किया गया। साहित्य अकादेमी ने इस दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन अपने सभाकक्ष रवींद्र भवन में किया।संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए प्रख्यात आलोचक, साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद तिवारी ने कहा कि विद्यानिवास मिश्र ललित निबंधकार के रूप में विख्यात थे परंतु उनका कृतित्व व्यापक है। उनके लेखन के केंद्र में सदैव भारतीयता रही है। उन्होंने कहा कि बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में पंडित जी का उदय हुआ और उनके लेखों और पत्रकारिता ने भारतीय साहित्य को एक नई दिशा दी।संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि जब पूरा भारत फ्रॉयड और मार्क्स की आंधी में बह रहा था तो दो-चार लोग ही ऐसे थे जिन्होंने भारतीयता के परचम को बुलंद रखा उनमें पंडित विद्यानिवास मिश्र अग्रणी थे। उन्होंने कहा कि विद्यानिवास मिश्र के लेखों में लोकल से ग्लोबल तक का विवरण देखने को मिलता है। यदि भारत को समझना है तो विद्यानिवास मिश्र को समझना आवश्यक है।

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने सचिवालय में दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस अहम बैठक में उन्होंने दिल्ली सरकार के सभी सरकारी अस्पतालों में सभी तरह की जरूरी दवाओं की खरीद करने, उपलब्धता सुनिश्चित करने और आपूर्ति को कायम रखने के सख्त निर्देश भी दिए हैं। मानसून को देखते हुए मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी सूरत में सरकारी अस्पताल में गुणवत्तापूर्ण दवाओं की कमी नहीं हो सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली के किसी भी सरकारी अस्पताल में इमरजेसी दवाओं की कोई कमी न हो, जिसके लिए प्रोक्योरमेंट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। जिसके लिए उन्होंने सभी जरूरी प्रक्रिया को समयबद्ध पूरी करने के सख्त निर्देश भी दिए। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत सरकारी अस्पतालों में 'क्रिटिकल केयर ब्लॉक' जल्द खोलने के भी सभी जरूरी निर्देश दिए हैं। मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं ।

फेसबुक पर 'ऑस्ट्रेलिया भेजने' का झांसा देकर 2200 डॉलर की ठगी - आरोपी चंडीगढ़ से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी वीजा देने वाले गिरोह के एक आरोपित को चेन्नई से गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान पंजाब निवासी कुलदीप सिंह (31) के रूप में हुई है।एयरपोर्ट डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि मुंबई निवासी शिकायतकर्ता खेमचंद बोरवाल ने शिकायत दी थी कि वे फेसबुक पर गुरजीत कौर नाम की प्रोफाइल के संपर्क में आए। जिसने विदेशों में वीजा दिलाने के झूठे विज्ञापन डाले थे। खुद को एजेंट बताकर आरोपित ने खेमचंद को ऑस्ट्रेलिया भेजने का झांसा दिया और भरोसा दिलाया कि बिना अग्रिम भुगतान के वह वीजा और यात्रा का पूरा इंतजाम कर देगा। डीसीपी के अनुसार खेमचंद से पासपोर्ट की फोटो मंगवाई गई और फर्जी वीजा व टिकट भेजे गए।

सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पूर्व सेनाध्यक्षों संग राष्ट्रपति से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पूर्व थलसेनाध्यक्ष जनरल वी.पी. मलिक, जनरल एन.सी. विज, जनरल जे.जे. सिंह, जनरल दीपक कपूर, जनरल बिक्रम सिंह और जनरल मनोज पांडे के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट की। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी और पूर्व सेना प्रमुखों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया गया है। गौरतलब है कि नई दिल्ली में 'चीफ्स चिंतन' नामक एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह दो दिवसीय कार्यक्रम मंगलवार को शुरू हुआ था। नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में जनरल उपेन्द्र द्विवेदी और पूर्व सेना प्रमुखों के बीच गहन विचार-विमर्श हुआ। सेना के मुताबिक, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आयोजित इस संवाद का उद्देश्य पूर्व सेनाध्यक्षों के

विशाल अनुभव और रणनीतिक दृष्टिकोण का लाभ उठाते हुए भारतीय सेना के भविष्य को दिशा देना था। कार्यक्रम का मुख्य फोकस 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विस्तृत प्रस्तुति रही, जिसमें संयुक्त अभियानों और रणनीतिक प्रभाव को रेखांकित किया गया। यहां पूर्व सेना प्रमुखों ने अपनी अमूल्य अंतर्दृष्टि और सुझाव साझा किए। ये सुझाव सेना की क्षमता संवर्धन और संगठनात्मक सुधारों में योगदान देंगे। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम वर्तमान और पूर्व नेतृत्व की सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय सेना भविष्य की चुनौतियों के लिए पूर्णतः तैयार रहे। यहां भारतीय सेना के पूर्व सेना प्रमुखों के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' की ऑपरेशनल जानकारी साझा की गई। दरअसल, यह भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और पूर्व सेना प्रमुखों के बीच एक संरचित संवाद कार्यक्रम था। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य पूर्व सेना प्रमुखों के संस्थागत ज्ञान और अनुभव का लाभ उठाना था। ऐसा करने से भारतीय सेना के भविष्य के दृष्टिकोण और सेना में होने वाले बदलावों को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। जनरल द्विवेदी ने पूर्व सेना प्रमुखों का स्वागत किया और इस बात पर बल दिया ।

लेह जा रही इंडिगो फ्लाइट की तकनीकी खराबी के बाद इमरजेंसी लैंडिंग, दिल्ली में उतारा गया विमान

एजेंसी

नई दिल्ली । अहमदाबाद में हुई दुर्घटना के बाद से देश में विमानों की लगातार आपात लैंडिंग देखने को मिल रही है। गुरुवार सुबह दिल्ली से लेह जाने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई 2006 की तकनीकी कारणों से इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में मौजूद सभी यात्री सुरक्षित हैं। जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट में चालक दल के सदस्यों समेत करीब 180 लोग सवार थे। गुरुवार सुबह फ्लाइट ने दिल्ली से लेह के लिए उड़ान भरी। लेह पहुंचने से कुछ देर पहले तकनीकी गड़बड़ी का पता चला। विमान लेह पहुंचने के कुछ ही देर बाद वापस लौट आया और सुरक्षित तरीके से दिल्ली में उतर गया। फिलहाल आधिकारिक तौर पर उस तकनीकी खराबी की जानकारी सामने नहीं आई है। इंडिगो की एक फ्लाइट को रद्द करना पड़ा। फ्लाइट 6ई 6101 भुवनेश्वर से कोलकाता के लिए रवाना होनी थी। हालांकि उड़ान भरने से कुछ मिनट पहले फ्लाइट को रद्द कर दिया गया। इसका कारण भी विमान में तकनीकी खराबी बताया गया। इससे पहले दो जून को रांची में इंडिगो का एक विमान गिद्ध से टकराया था, जिसके कारण आपात लैंडिंग करानी पड़ी। पटना से कोलकाता वाया रांची की फ्लाइट करीब 3-4 हजार फीट की ऊंचाई पर थी। उसी समय एक गिद्ध उससे टकराया। टक्कर के बाद विमान करीब 40 मिनट तक हवा में रहा। इंडिगो की इस फ्लाइट में क्रू मेंबर्स समेत 175 यात्री सवार थे। पक्षी से टक्कर के बाद यात्री दहशत में थे। विमान के क्रू मेंबर ने उन्हें भरोसा दिलाया। पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए प्लेन की रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर सुरक्षित तरीके से लैंडिंग कराई। हालांकि बाद में टक्कर से विमान को कितनी क्षति हुई, इंजीनियर्स की टीम ने इसका आकलन किया।

केंद्र ने पीएमएवाई-शहरी 2.0 योजना के तहत 2.35 लाख अतिरिक्त घरों को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंजूरी एवं निगरानी समिति की हुई तीसरी बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत निर्माण के लिए लगभग 2.35 लाख घरों को मंजूरी दी गई है। बैठक में नौ राज्यों असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में कुल 2,34,864 घरों की स्वीकृति दी गई। आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, इस प्रकार पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत अब तक स्वीकृत घरों की कुल संख्या सात लाख के आंकड़े को पार कर गई है। पीएमएवाई-यू 2.0 को चार वर्टिकल - लाभार्थी नेतृत्व निर्माण (बीएलसी), भागीदारी में किफायती आवास (एएचपी), किफायती किराए के आवास और ब्याज सब्सिडी योजना के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। मंत्रालय के सचिव श्रीनिवास कटिकिथला की अध्यक्षता वाली केंद्रीय मंजूरी और निगरानी समिति द्वारा अनुमोदित घर, योजना के लाभार्थी नेतृत्व निर्माण और भागीदारी में किफायती आवास वर्टिकल के अंतर्गत आते हैं। बैठक के दौरान, कटिकिथला ने बड़े राज्यों को किफायती आवास नीति तैयार करने और प्रस्तावों को पीएमएवाई-यू 2.0 के एएचपी वर्टिकल के अंतर्गत लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेश महाराष्ट्र की किफायती आवास नीति का अध्ययन कर सकते हैं और इसे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अपना सकते हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह भी सलाह दी गई कि वे बाद के चरण में खाली पड़े घरों

की समस्या से बचने के लिए अनुमोदन के प्रारंभिक चरण में एएचपी वर्टिकल के तहत लाभार्थियों की पहचान करें और उन्हें संलग्न करें। पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत स्वीकृत घरों में, महिलाओं के सशक्तीकरण को सुनिश्चित करते हुए, अकेली महिलाओं और विधवाओं सहित 1.25 लाख से अधिक घर स्वीकृत किए गए हैं। इस बीच, ट्रांसजेंडरों को 44 घर आवंटित किए गए हैं। यह योजना विभिन्न वंचित समूहों के बीच समावेशिता और सामाजिक समानता को भी बढ़ावा देती है, जिसमें एससी लाभार्थियों के नाम पर 42,400 घर, एसटी लाभार्थियों के लिए 17,574 घर और ओबीसी के लिए 1,13,414 घर आवंटित किए गए हैं।

ओडिशा सरकार पर भड़कीं प्रियंका गांधी, कहा-महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा निंदनीय

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने ओडिशा के गंजम जिले के गोपालपुर बीच पर एक युवती के साथ हुई गैंगरेप की घटना की निंदा की। उन्होंने ओडिशा सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि राज्य में दिन-प्रतिदिन महिलाओं के प्रति हिंसा बढ़ती जा रही है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गोपालपुर, ओडिशा में 10 लोगों ने एक छात्रा के साथ जिस तरह बर्बरता की, उसकी निंदा करने के लिए कड़े से कड़े शब्द भी पर्याप्त नहीं हैं। ओडिशा में दिन-प्रतिदिन महिलाओं के प्रति हिंसा बढ़ती जा रही है। जिस राज्य में मुख्यमंत्री खुद स्वीकार करते हों कि पिछले पांच वर्षों में करीब 44,000 महिलाएं और बच्चे गायब हो चुके हैं, वहां महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता न देना भी अपने आप में महिलाओं के प्रति जुल्म है। दरअसल, युवती बीते रविवार को अपने एक दोस्त के साथ गोपालपुर बीच पर गई थी। इस दौरान कुछ लोगों ने उसके साथ गैंगरेप किया।

यही नहीं, आरोपियों ने उसके दोस्त को बांध दिया और फिर युवती के साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भी इस घटना की निंदा की। उन्होंने एक्स पर लिखा, ओडिशा के प्रमुख पर्यटन स्थल गोपालपुर बीच पर सामूहिक बलात्कार की खबर बेहद चौंकाने वाली है और इसने सभी को झकझोर कर रख दिया है। इसकी कड़ी निंदा की जाती है। पर्यटन स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा पर सवालिया निशान लग गया है। महिलाओं के खिलाफ हर दिन बढ़ रहे अत्याचारों को रोकने के लिए सरकार को सतर्क रहना चाहिए। राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। इसके अलावा, कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर लिखा था, यह खौफनाक है। ओडिशा में गोपालपुर बीच पर कॉलेज की लड़की के साथ 10 हैवानों ने गैंगरेप किया। लड़की अपने दोस्त के साथ थी। दरिंदों ने दोस्त को मारा पीटा और बांध दिया और फिर उसके सामने ही लड़की का गैंगरेप किया। राज्य में भाजपा सरकार की नाक के नीचे बेटियों का जीना दुश्वार हो गया है।

55 के हुए राहुल गांधी, खड़गे और राजनाथ सिंह सहित इन नेताओं ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी गुरुवार को अपना 55वां जन्मदिन मना रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। संविधान के मूल्यों के प्रति आपकी अप्रतिम निष्ठा और उन लाखों लोगों के लिए सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय के प्रति आपकी गहरी संवेदना, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी रह जाती है, आपको सबसे अलग बनाती है। आपके कार्य निरंतर कांग्रेस पार्टी की विविधता में एकता, सद्भाव और करुणा की विचारधारा को दर्शाते हैं। मैं आपके लंबे, स्वस्थ और खुशहाल

जीवन की कामना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ÷लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई। ईश्वर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करें।÷ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पोस्ट में लिखा, लोकसभा में विपक्ष के नेता और उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा सांसद राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। यह अवसर आपके लिए खुशियां लेकर आए और आने वाला साल स्वास्थ्य और समृद्धि से भरा हो।÷ कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पोस्ट में लिखा, हमारे नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। भारत के लोगों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता, उद्देश्य की स्पष्टता और जमीन पर निरंतर मौजूदगी सच्चे नेतृत्व का प्रतीक है और उन लोगों को प्रेरित करती रहेगी जो मूल्यों पर आधारित राजनीति में विश्वास करते हैं। आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं और आशा करता हूं कि आप अच्छी लड़ाई लड़ते रहेंगे।राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पोस्ट में लिखा, ÷राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर आपको उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करें। राहुल इस देश में शोषित, वंचित, दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग और सवर्ण वर्ग के गरीबों के अधिकारों के लिए जिस हद तक लड़ रहे हैं, वह वाकई अभूतपूर्व है। यह सच्चा सामाजिक न्याय है। न्याय की इस लड़ाई में हम सब आपके साथ हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए आपके दृढ़ संकल्प और पूरे देश में शांति और प्रेम का संदेश सफल होगा। अब समय आ गया है कि आप आगे आएं और देश का नेतृत्व करें, लोकतंत्र को मजबूत करें और संविधान की रक्षा करें।

पीएम मोदी ने राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को उनके 55वें जन्मदिन पर शुभकामानएं दीं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, ÷लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें। वहीं, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। सामाजिक न्याय के प्रति आपकी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता ने राजनीतिक विमर्श को नई दिशा प्रदान की है। आप समाज के हर वर्ग की प्रगति के लिए जो प्रयास कर रहे हैं और जिन बदलावों की अपेक्षा रखते हैं, उनमें आपको अपार सफलता मिले, यही मेरी दिल से की गई कामना है। साथ ही, ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि आने वाला वर्ष आपके लिए सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, लोकसभा में नेता विपक्ष, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु व यशस्वी जीवन की प्रार्थना करता हूं। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके स्वस्थ, सफल, सुखद, दीर्घायु एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूं।

अमेरिका के रिएक्शन के बाद पता चलेगी पीएम मोदी और ट्रंप के बीच हुई वार्ता की सच्चाई : राशिद अल्वी

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातचीत पर संदेह जताते हुए कहा कि अमेरिका की प्रतिक्रिया के बाद सच्चाई का पता चलेगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार, ट्रंप से बातचीत में पीएम मोदी ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत ने कभी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और भविष्य में भी ऐसी मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करेगा। राशिद अल्वी ने समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान दोनों विश्व नेताओं के बीच वार्ता की सराहना की, लेकिन यह भी कहा कि अमेरिका की तरफ से प्रतिक्रिया आने के बाद ही सच्चाई का पता चल पाएगा। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि दोनों नेताओं ने बातचीत की है। कनाडा में राष्ट्रपति ट्रंप पीएम मोदी से मिले भी नहीं, बिना मिले ही वापस अपने देश चले गए।उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत के बाद अमेरिका की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हमें इंतजार रहेगा कि अमेरिका इस बातचीत पर क्या कहता है। उन्होंने कहा कि

पीएम मोदी और ट्रंप के बीच बातचीत की जानकारी भारत के गृह सचिव ने दी है। गृह सचिव ने पहले भी कहा था कि भारत ने पाकिस्तान पर हमला करने से पहले बता दिया था, लेकिन बाद में उन्होंने यू-टर्न ले लिया। गृह सचिव के बयान पर पूरी तरह से भरोसा नहीं किया जा सकता। दूसरी तरफ, उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि कनाडा के सांसदों ने जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए पीएम मोदी को आमंत्रित करने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह बेइज्जती प्रधानमंत्री की नहीं, बल्कि भारत की है। प्रधानमंत्री मोदी इस बात को कैसे स्पष्ट करेंगे कि सीजफायर अमेरिका के दबाव में नहीं किया गया है। उन्होंने सीजफायर लागू करने के सवाल पर कहा कि सीजफायर को लेकर राजनीतिक स्तर पर कोई बात नहीं हुई है। आप कह रहे हैं कि पाकिस्?तान के डीजीएमओ के फोन के बाद सीजफायर लागू करने का फैसला दोनों देशों ने लिया है। देश की जनता को धोखा दिया जा रहा है, उन्हें अंधेरे में रख रहे हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के जारी रहने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि हाफिज सईद और अजहर मसूद जिंदा है, इन सबका आका अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ लंच कर रहा है, यह कैसा आपका 'ऑपरेशन सिंदूर है? अगर ऑपरेशन जारी है तो आगे बढ़ें।

मतदाता फोटो पहचान पत्र अब 15 दिनों में

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतदाताओं को उनके फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) तेजी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए नई मानक प्रक्रिया (एसओपी) तय की है। अब नए नामांकन या मतदाता विवरण में किसी भी बदलाव के 15 दिनों के भीतर मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) कार्ड प्राप्त हो जाएगा। यह पहल मतदाताओं की सुविधा के लिए की जा रही विभिन्न पहलों का हिस्सा है, जिन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू व डॉ. विवेक जोशी के मार्गदर्शन में शुरू किया गया है। नई व्यवस्था में ईपीआईसी कार्ड बनने से लेकर उसके डाक विभाग द्वारा मतदाता तक पहुंचाने तक की हर प्रक्रिया की रियल-टाइम ट्रैकिंग की सुविधा उपलब्ध होगी। मतदाता को हर चरण की जानकारी एसएमएस के माध्यम से दी जाएगी। इस उद्देश्य के लिए चुनाव आयोग ने हाल ही में लॉन्च किए गए ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म पर एक विशेष आईटी मॉड्यूल विकसित किया है। यह नया

प्लेटफॉर्म मौजूदा प्रक्रिया को बदलते हुए कार्यप्रणाली को अधिक सुचारू और दक्ष बनाएगा। डाक विभाग के एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) को भी ईसीआईनेट के साथ जोड़ा जाएगा ताकि ईपीआईसी की निर्बाध डिलीवरी सुनिश्चित की जा सके।

दिव्यांगजनों की सुलभ शिक्षा के लिए त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिव्यांगजनों को समावेशी शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से नई दिल्ली में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू हस्ताक्षर के अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, डीईपीडब्ल्यूडी के सचिव राजेश अग्रवाल और स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि दिव्यांग बच्चे भी अपार क्षमताओं से युक्त होते हैं। सही मंच मिलने पर वे समाज को नई दिशा दे सकते हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण का हिस्सा है जिसमें हर बच्चे को समान शिक्षा का अधिकार मिले। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा को संयुक्त समन्वय समिति (जेसीसी) का गठन किया जाएगा, जिसमें तीनों संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह समिति कार्यों की प्रगति की निगरानी करेगी और समय पर उद्देश्यों

जीवन की आधारशिला बताते हुए कहा कि समाज को दिव्यांगता के प्रति और अधिक संवेदनशील होना होगा। स्कूलों में सुलभ शौचालयों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड में कार्य शुरू किया गया है ताकि कोई बच्चा बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण पढ़ाई न छोड़े। इस एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन और समन्वय के लिए की प्राप्ति सुनिश्चित करेगी। यह समझौता 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016' और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप समावेशी शिक्षा की मजबूत नींव रखने की दिशा में एक अहम पहल है। इसका उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए समान और सुलभ शैक्षिक अवसर सुनिश्चित करना है।

भारत हुआ ट्रैकोमा-मुक्त, जेपी नड्डा ने सरकार के 11 साल की गिनवाईं उपलब्धियां

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ संगठन ने भारत को ट्रैकोमा मुक्त घोषित कर दिया है। ट्रैकोमा आंखों की संक्रामक बीमारी है, जोजीवाणु क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस के कारण होती है। केंद्र सरकार के 11 साल की उपलब्धियां गिनवाते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि देश ने एक और उपलब्धि हासिल की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रैकोमा-मुक्त घोषित कर दिया है। नड्डा ने एक्स पोस्ट में कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रैकोमा-मुक्त घोषित किया है, जिससे एक ऐसी बीमारी खत्म हो गई है जो कभी व्यापक अंधेपन का कारण बनती थी। स्वच्छता, पहुंच और नेत्र देखभाल सेवाओं में निरंतर प्रयासों के साथ, यह उपेक्षित उष्णकटिबंधीय बीमारी अब समाप्त हो गई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य

में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर और भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और लाखों नागरिकों के लिए गर्व का क्षण। विश्व स्तर पर अंधेपन के प्रमुख कारणों में से एक ट्रेकोमा रोग लंबे समय से सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय रहा है। इस बीमारी को खत्म करने के लिए भारत ने जो प्रयास किए उसके निश्चित ही बेहतर परिणाम देखे गए, नतीजतन इसे सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि ट्रैकोमा को अति संक्रामक रोग के रूप में जाना जाता है। संक्रमित व्यक्ति की आंखों, पलकों और नाक-गले के स्राव के संपर्क में आने से दूसरे लोगों को संक्रमण होने का खतरा हो सकता है। इतना ही नहीं संक्रमित व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल और तौलिए के इस्तेमाल से भी संक्रमण फैलने का खतरा हो सकता है।

केदारनाथ यात्रा में अब तक तीन अरब का कारोबार

एजेंसी

देहरादून। श्री केदारनाथ धाम यात्रा हर वर्ष नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। बाबा के कपाट खुले 48 दिनों का समय पूर्ण हो चुका है और इसी अवधि में घोड़े-खच्चर, हेली, डंडी-कंडी सहित होटल एवं रेस्तरां व्यापारियों ने करीब तीन अरब का कारोबार कर लिया है। वहीं स्थानीय लोगों के रोजगार को भी बढ़ती हुई यात्रा से लगातार लाभ मिल रहा है।

वर्ष 2025 की यात्रा के लिए 02 मई को बाबा केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुल गए थे। बाबा के कपाट खुले 48 दिन का समय पूर्ण हो चुका है। बुधवार 18 जून को बाबा के दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या 11 लाख 40 हजार पार हो चुकी है। पिछले एक महीने का औसत निकला जाए तो प्रतिदिन पौने 24 हजार श्रद्धालु बाबा के दर्शनों को केदारपुरी पहुंचे हैं।

केदारनाथ धाम यात्रा देश की सबसे कठिन धार्मिक यात्राओं में से एक है। करीब 20 किलोमीटर का कठिन पैदल मार्ग पार करने के बाद हिमालय पर्वत की गोद में बसे 11 वें ज्योतिर्लिंग के दर्शन हो पाते हैं। इस कठिन पैदल धार्मिक यात्रा में घोड़ा-खच्चरों का बेहद अहम योगदान होता है। असमर्थ एवं बुजुर्ग भक्त अक्सर इन्हीं के माध्यम से यात्रा करते हैं, वहीं खाद्य पदार्थ से लेकर अन्य अनिवार्य सामग्री इन्हीं घोड़े खच्चरों से यात्रा मार्ग एवं केदारपुरी में पहुंचाई जाती है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत ने बताया कि 18 जून तक 22,7614 तीर्थलु घोड़े खच्चरों के माध्यम से दर्शनों को पहुंचे हैं जिससे 66 करोड़ 73 लाख 90 हजार 350 रुपए की आय प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष लगभग आठ हजार घोड़े-खच्चर इस वर्ष के लिए पंजीकृत हैं। संक्रामक बीमारी इक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस के चलते कुछ दिन घोड़ा खच्चर संचालन प्रभावित भी रहा।

हेली सेवाओं ने किया 60 करोड़ रुपयों का कारोबार:

हेली सेवाओं की केदारनाथ धाम यात्रा में अपनी एक अहम भूमिका है। हेली सेवाओं के माध्यम से किसी भी हालात में पैदल यात्रा करने में असमर्थ श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन का मौका मिलता है। वहीं रेस्क्यू अभियान में हेली सेवाएं अहम किरदार निभा रही हैं। प्रत्येक दिन दो से तीन मेडिकल आपातकाल से जूझ रहे लोगों को हेली सेवाओं से ही समय पर हायर सेंटर रेस्क्यू किया जाता है। रुद्रप्रयाग के जिला पर्यटन अधिकारी और हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि इस वर्ष आठ हेली कंपनियां नौ हेलीपैड से अपना संचालन कर रही हैं। 18 जून तक 49,247 श्रद्धालु हेली सेवाओं के माध्यम से बाबा केदारनाथ धाम पहुंचे हैं, जिससे करीब 60 करोड़ की आय प्राप्त हुई है।

डंडी -कंडी से दो करोड़ से अधिक की आय: केदारनाथ धाम पैदल यात्रा मार्ग पर जितने घोड़े-खच्चरों का संचालन महत्वपूर्ण है उतना ही डंडी-कंडी संचालन भी। पैदल चलने में असमर्थ कई भक्त डंडी कंडी की जगह डंडी-कंडी से यात्रा करना पसंद करते हैं। वहीं छोटे बच्चों के लिहाज से भी यह ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। इसके अलावा कई श्रद्धालु खुद पैदल यात्रा कर केवल समान डंडी-कंडी की मदद से केदारपुरी पहुंचा देते हैं। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत रुद्रप्रयाग संजय कुमार ने बताया कि इस वर्ष की यात्रा के लिए 7,000 से अधिक डंडी-कंडी संचालक पंजीकृत हैं। 18 जून तक डंडी-कंडी के माध्यम से दो करोड़ 2 लाख, 71 हजार 300 रुपए की आय प्राप्त हुई है। इसमें गंदगी फैलने एवं अन्य नियमों के उल्लंघन पर विभिन्न प्रतिष्ठानों का 41,7000 रुपये का चालन कर अर्थदंड भी शामिल है।

टैक्सी संचालन से करीब साढ़े 14 करोड़:

सहायक परिवहन अधिकारी रुद्रप्रयाग कुलवंत सिंह चौहान ने बताया कि इस वर्ष श्री केदारनाथ धाम यात्रा में शटल सेवा के लिए 225 गाड़ियां पंजीकृत हैं।

हिमाचल के लिए केंद्र से 2006 करोड़ रुपये की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश में वर्ष-2023 में भीषण प्राकृतिक आपदाओं के चलते पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण योजना के तहत 2006.40 करोड़ की राशि मंजूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह का आभार

जताया है। साझा किए अपने संदेश में जेपी नड्डा ने कहा कि देवभूमि में संकट से निपटने और आपदा पीड़ितों को राहत प्रदान करने में मोदी सरकार द्वारा आर्थिक सहायता आपदा पीड़ित नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण संबल है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देवभूमि की जनता के साथ हर संकट में खड़ी है और हिमाचल की हरसंभव सहायता के लिए सदैव की भांति कटिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति ने 2023 की बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने की घटना के बाद हिमाचल प्रदेश के लिए 2006.40 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण योजना को मंजूरी दी है।

पीयूष गोयल व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक यूके दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल यूनाइटेड किंगडम की उच्चस्तरीय आधिकारिक दौरे पर हैं। गोयल इस दौरान ब्रिटेन और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि पीयूष गोयल दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत और यूके मुक्त व्यापार समझौते के कार्यान्वयन पर अपने ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ बातचीत करेंगे, जिसके समापन की घोषणा 6 मई को उनकी लंदन यात्रा के दौरान की गई थी। इसके अलावा वे दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों का पता लगाने के लिए जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ बातचीत करेंगे। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वाणिज्य मंत्री के इस दौरे का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों में तेजी लाना, उभरते अवसरों का दोहन करना और दूरदर्शी, लचीले और पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक संबंध के लिए मजबूत आधार तैयार करना है। इसके साथ ही पीयूष गोयल दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक प्राथमिकताओं, वित्तीय सहयोग और निवेश सुविधा पर चर्चा करने के लिए ब्रिटेन की राजकोष की चांसलर रेचल रीव्स से भी मिलेंगे।

सीबीआईसी ने जीएसटी के 8 वर्ष पूरा होने पर 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में फिटनेस और जीएसटी जागरूकता पहल 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया। कार्यक्रम स्थल पर प्रतिभागियों से जुड़ने और जीएसटी के बारे में प्रश्नों के उत्तर देने के लिए समर्पित जीएसटी हेल्प डेस्क स्थापित की गई थी। वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि जीएसटी के आठ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सीबीआईसी ने फिट इंडिया मूवमेंट के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया मूवमेंट के तत्वावधान में संडे ऑन साइकिल राष्ट्रव्यापी साइक्लोथॉन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम आज प्रातः राष्ट्रीय राजधानी के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किया गया। इसमें देशभर के 100 से अधिक केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) आयुक्तालयों ने भी भाग लिया।

पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी ने 450 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया

नई दिल्ली। पुणे स्थित पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के माध्यम से 450 करोड़ रुपये जुटाना है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई दोनों स्टॉक एकसचेंज पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक रेवा डायमंड ज्वैलरी का 10 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 450 करोड़ रुपये का एक नया निर्गम है। आईपीओ में बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया का पालन किया जाएगा, जिसमें कम से कम 75 फीसदी हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) को आवंटित किया जाएगा, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को क्रमशः 15 फीसदी और 10 फीसदी मिलेगा। रेवा डायमंड ज्वैलरी की योजना ताजा निर्गम से प्राप्त 286.56 करोड़ रुपये का उपयोग वित्त वर्ष 2028 तक 15 नए स्टोर स्थापित करने की दिशा में व्यय के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी 6.5 फीसदी से अधिक होगी: इक्रा

नई दिल्ली। प्रमुख रेटिंग एजेंसी इक्रा ने भारत की अर्थव्यवस्था पर नवीनतम आउटलुक जारी किया है। इक्रा ने जारी अपने ताजा अनुमान में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि 6.50 फीसदी से अधिक होगी। एजेंसी ने सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) ग्रोथ 6.3 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने जारी आउटलुक में बताया कि ग्रामीण मांग मजबूत बनी रहेगी, जिसका कारण रबी की फसलों से होने वाली आमदनी और जलाशयों का सामान्य से अधिक जलस्तर है। इस दौरान राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि चालू खाता घाटा 1 फीसदी रह सकता है। इक्रा ने अपनी रिपोर्ट में महंगाई के बारे में कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई चालू वित्त वर्ष 202526 में 4.2 फीसदी से ऊपर रहने की उम्मीद है, जबकि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई 2.7 फीसदी से अधिक रहेगा। सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) देश के भीतर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को निर्धारित करता है।

अमेरिका तक पहुंचा बिहार का मखाना, उत्पादन 10 वर्ष में हुआ दो गुणा

मुंबई।

पटना। बिहार में मखाना के उत्पादन में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। पिछले 10 वर्षों में मखाना की खेती का रकबा दो गुणा बढ़ गया है। कृषि विभाग और कॉम्फेड की कोशिशों से ही बीते दिनों सुधा ब्रांड ने मखाना अमेरिका तक भेजा है। प्रदेश सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार वर्ष 2012 तक बिहार में मखाना की खेती लगभग 13 हजार हेक्टेयर में होती थी। मुख्यमंत्री बागवानी मिशन योजना के अन्तर्गत मखाना का क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम प्रारंभ किया गया, जिससे मखाना की खेती का रकबा बढ़कर 35 हजार 224 हेक्टेयर हो गया है। मखाना विकास योजना के तहत मखाना की उच्च प्रजाति के बीज के उपयोग से उत्पादकता में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। करीब 25 हजार किसान मखाना की खेती से जुड़े हुए हैं। केंद्र सरकार से मखाना को 20 अगस्त 2022 को भौगोलिक संकेतक यानी जीआई टैग मिथिला मखाना के नाम से मिल चुका है। वर्ष 2019-20 में मखाना विकास योजना प्रारंभ की गई, जिसमें

मखाना अनुसंधान केन्द्र, दरभंगा के विकसित स्वर्ण वैदेही तथा भोला पासवान शास्त्री, कृषि महाविद्यालय का विकसित सबौर मखाना-1 प्रभेद को प्रत्यक्षण के माध्यम से बढ़ावा दिया गया। बिहार सरकार की मखाना विकास योजना के अंतर्गत 10 जिलों में मखाना के उत्पादन का विस्तार हुआ है। इनमें दरभंगा, मधुबनी, कटिहार, अररिया, पूर्णियां, किशनगंज, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, और खगड़िया शामिल हैं।मखाना के वैश्विक विस्तार से बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए अब इसका उत्पादन 16 जिलों में विस्तारित किया गया है। देश में कुल उत्पादित मखाना का लगभग 85 प्रतिशत बिहार में होता है।

राजस्व में बढ़ोतरी: वर्ष 2005 के पूर्व जहां मत्स्य/मखाना जलकरों से राजस्व प्राप्ति 3.83 करोड़ रुपये थी। वहीं 2023-24 में यह बढ़कर 17.52 करोड़ रुपये हो गई है।

मखाना के वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग को देखते हुए इसके निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए अब मखाना बोर्ड का गठन किया जा रहा है। यह बोर्ड मखाना के समेकित विकास जैसे क्षेत्र विस्तार, यांत्रिकरण, प्रसंस्करण, विपणन और निर्यात को समृद्ध करेगा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में रिकॉर्ड ऊंचाई पर चांदी, एमसीएक्स पर भी 1.10 लाख के स्तर पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार के साथ ही वायदा बाजार में भी चांदी आज रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सिल्वर फ्यूचर 1.10 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गया। घरेलू बाजार की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी के भाव में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। आज कॉमेक्स पर चांदी 37.23 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया। पिछले 13 साल के दौरान चांदी पहली बार इस ऊंचाई पर पहुंचने में सफल रहा है। माना जा रहा है कि अगर दुनिया के अलग-अलग हिस्से में बनी जियो-पॉलिटिकल टेंशन की स्थिति जारी रही, तो ये चमकीली धातु जल्दी ही 40 डॉलर प्रति औंस के स्तर को भी पार कर सकती है। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि ईरान और इजरायल के बीच जारी संघर्ष और वैश्विक अर्थव्यवस्था की अनिश्चितता की वजह से चांदी की मांग में वैश्विक स्तर पर तेजी आई है। सोना और चांदी को लंबे समय से सेफ इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट माना जाता है। सोना जहां इन्वेस्टमेंट का महंगा विकल्प है, वहीं चांदी को आमतौर पर इन्वेस्टमेंट के लिए सोने का सस्ता विकल्प माना जाता है।

सोना भी फिलहाल अपने ऑल टाइम हाई लेवल के करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है। ऐसे में चांदी के प्रति निवेशकों का रुझान बढ़ा है। इसी तेजी के कारण फरवरी 2012 के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 37 डॉलर के स्तर के ऊपर पहुंची है।राजीव दत्ता का कहना है कि चांदी और सोना इन दोनों चमकीली धातुओं का उपयोग ज्वेलरी के साथ ही इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के रूप में भी होता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में फिलहाल काफी हलचल की स्थिति बनी हुई है। इसकी वजह से इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के तौर पर दोनों चमकीली धातुओं की मांग में तेजी का रुख बना हुआ है। इसके अलावा चांदी की मांग इंडस्ट्रियल सेक्टर में भी पिछले कुछ सालों में लगातार बढ़ी है। इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट समेत कई चीजों के उत्पादन में चांदी का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए इंडस्ट्रियल एक्टिविटी बढ़ने पर चांदी की डिमांड में भी तेजी आ जाती है।

पिछले कुछ सालों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स की मांग में काफी तेजी आई है, जिसके कारण चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांड में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। यही वजह है कि सोने की तुलना में चांदी में ज्यादा तेजी आने की संभावना बनी हुई है। अगर वैश्विक परिस्थितियों में अधिक बदलाव नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत जहां 40 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर सकती है, वहीं घरेलू बाजार में भी चांदी का भाव 1.20 लाख से लेकर 1.25 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच सकता है।

फ्रांस से बाहर पहली बार डसॉल्ट एविएशन भारत में बनाएगी फाल्कन-2000 बिजनेस जेट

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन अब वैश्विक बाजार के लिए भारत में फाल्कन-2000 बिजनेस जेट बनाएगी। इसके लिए आज पेरिस एयर शो में कंपनी ने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सहायक कंपनी रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर लिमिटेड (आरएएल) के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के बाद भारत संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और ब्राजील के बाद अगली पीढ़ी के बिजनेस जेट बनाने वाले देशों के कुलीन क्लब में शामिल हो गया है। यह पहली बार है कि जब डसॉल्ट एविएशन फ्रांस के बाहर फाल्कन-2000 जेट का निर्माण करेगा, जिससे भारत रणनीतिक वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित होगा। बिजनेस एग्जीक्यूटिव जेट्स के लिए पहली असेंबली लाइन

डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड (डीआरएएल) महाराष्ट्र के नागपुर में स्थापित की जाएगी। यहां जेट का पूर्ण ढांचा और विंग असेंबली संचालन के हस्तांतरण के साथ-साथ प्रमुख सुविधा उन्नयन होगा, जहां से 2028 तक फाल्कन 2000 की पहली उड़ान का मार्ग प्रशस्त होगा। डसॉल्ट एविएशन के अध्यक्ष और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने कहा कि यह नया समझौता भारत की मेक इन इंडिया प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और वैश्विक एयरोस्पेस आपूर्ति शृंखला में भारत को एक प्रमुख भागीदार के रूप में मान्यता दिलाएगा। यह साझेदारी भारत की एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जबकि रणनीतिक रूप से वैश्विक विमानन आपूर्ति शृंखला में एकीकृत है। डसॉल्ट एविएशन फाल्कन 8ङ्क और फाल्कन 6ङ्क के फ्रंट सेक्शन की असेंबली के अलावा फाल्कन-2000 के पंखों और पूरे धड़ की असेंबली भी डीआरएएल? को सौंपेगा। रिलायंस समूह के संस्थापक अध्यक्ष अनिल डी. अंबानी ने कहा? कि यह? समझौता आत्मनिर्भर भारत और विश्व के लिए भारत में निर्माण के दृष्टिकोण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत में फाल्कन बिजनेस जेट के निर्माण के लिए डसॉल्ट एविएशन के साथ हमारी साझेदारी देश, विमानन उद्योग और रिलायंस समूह के लिए एक निर्णायक क्षण है।

आईएसटी के तहत 'एक राष्ट्र, एक समय' सटीकता और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करेगा : जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारतीय मानक समय (आईएसटी) के तहत एक राष्ट्र, एक समय सटीकता और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। जोशी ने नई दिल्ली में आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में कहा कि आगामी विधिक माप विज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2025, सभी कानूनी, वाणिज्यिक और प्रशासनिक गतिविधियों को आईएसटी के साथ समन्वित करने को अनिवार्य बनाएंगे तथा जब तक स्पष्ट रूप से अधिकृत न किया जाए, वैकल्पिक समय संदर्भों के उपयोग पर रोक लगाएंगे। सम्मेलन में जोशी ने सीएसआईआर-एनपीएल और इसरो के सहयोग से उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही टाइम डिसेमिनेशन परियोजना के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि वित्तीय बाजारों, बिजली ग्रिड, दूरसंचार, परिवहन और अन्य क्षेत्रों में आईएसटी का सटीक और समान प्रसार, निष्पक्षता, सटीकता और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरुरी है। इस गोलमेज सम्मेलन में तमाम क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 से अधिक हितधारकों ने हिस्सा लिया। इस पहल का मकसद परमाणु घड़ियों और एनटीपी और पीटीपी जैसे सुरक्षित सिंक्रोनाइजेशन प्रोटोकॉल से लैस पांच क्षेत्रीय संदर्भ मानक प्रयोगशालाओं (आरआरएसएल) के ज़रिए मिलीसेकंड से माइक्रोसेकंड की सटीकता के साथ आईएसटी प्रदान करना है, जिससे एक राष्ट्र, एक समय के दृष्टिकोण के तहत डिजिटल और प्रशासनिक क्षमताओं के एक नए युग की शुरुआत होगी।

एयर इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में 15 प्रतिशत की कटौती की, मध्य जुलाई तक जारी रहेगी कटौती

एजेंसी

नई दिल्ली।टाटा ग्रुप की स्वामित्व वाली कंपनी एयर इंडिया ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 15 प्रतिशत की कटौती करने का ऐलान किया है। बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती करने का ये फैसला 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद शुरू हुई सुरक्षा जांच, ईरानी एयर स्पेस के बंद होने और अन्य तकनीकी कारणों की वजह से लिया गया है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में की गई ये कटौती कम से कम जुलाई के पहले पखवाड़े तक जारी रहेगी।एयर इंडिया द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में कहा गया है कि एयर इंडिया के सामने उत्पन्न कठिन स्थितियों को देखते हुए एयरलाइन के ऑपरेशन की स्थिरता और बेहतर दक्षता को सुनिश्चित करने के लिए तथा मुसाफिरों की असुविधा को कम करने के लिए एयरलाइन ने अगले

कुछ सप्ताह तक अंतरराष्ट्रीय विमान की उड़ानों की संख्या में 15 प्रतिशत की कटौती करने का फैसला किया है। एयरलाइन के अनुसार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में कटौती शुक्रवार 20 जून से लागू की जाएगी, जो कम से कम मध्य जुलाई तक जारी रहेगी। सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा गया है कि मिडिल ईस्ट में जारी जियो पॉलिटिकल टेंशन, यूरोप और पूर्वी एशिया के कई देशों में जारी नाइट कर्फ्यू और एयरलाइन की सुरक्षा जांच की वजह से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में अस्थिरता आ रही है। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद से ही एयर इंडिया को संचालन व्यवधान (ऑपरेशन हर्डल्स) का सामना करना पड़ा है, जिसकी वजह से पिछले 6 दिनों में एयरलाइन की 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।एयरलाइन ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में की गई कटौती से प्रभावित होने वाले मुसाफिरों से असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। एयर इंडिया की ओर से कहा गया है कि जिन यात्रियों की उड़ानें प्रभावित हुई हैं, उन सभी को समय रहते सूचित किया जाएगा और उनके लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था करने की पूरी कोशिश की जाएगी। प्रभावित होने वाले मुसाफिर अपने सफर को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के ही रीशेड्यूल कर सकते हैं या रिफंड हासिल कर सकते हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया है कि एयरलाइन बोइंग 777 के लिए सुरक्षा जांच का दायरा बढ़ाएगी। एयर इंडिया की ओर से कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में की गई अस्थाई कटौती से रिजर्व एयरक्राफ्ट की मौजूदगी बढ़ेगी, जिससे किसी भी गंभीर हालत से ज्यादा असरकारी तरीके से निपटा जा सकेगा। एयरलाइन की ओर से कहा गया है कि शुक्रवार 20 जून से लागू होने वाली नई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की सूची जल्दी ही हर प्लेटफॉर्म पर शेयर की जाएगी।

स्टॉक मार्केट में मोनोलिथिक इंडिया की धांसू एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली।स्टील इंडस्ट्री के रैमिंग मास का उत्पादन करने वाली कंपनी मोनोलिथिक इंडिया के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 143 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 61.92 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 231.55 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 243.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज पहले दिन ही 70 प्रतिशत का फायदा हो गया। मोनोलिथिक इंडिया का 82.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 16 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 182.89 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 129.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 459.99 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 94.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 54.48 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी सेटअप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 4.54 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 8.51 करोड़ रुपये और 2024-25 में 14.49 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 52 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 97.49 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

बीएसएनएल 5-जी सेवा जल्द होगी शुरू, कंपनी ने दिया नया नाम क्यू-5जी, मिलेगा सुपरफास्ट इंटरनेट

एजेंसी

नई दिल्ली।सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की 5-जी सेवा का इंतजार अब खत्म होने वाला है। बीएसएनएल 4-जी के बाद अपने 5-जी नेटवर्क को लॉन्च करने की

तैयारी कर रहा है। दूरसंचार कंपनी ने अपने 5-जी नेटवर्क को एक नया नाम क्यू-5जी यानी क्वांटम 5-जी दिया है। भारत संचार निगम लिमिटेड ने 'एक्स' पोस्ट पर अपनी 5-जी सर्विस को लेकर अपडेट दिया है। कंपनी ने अपने 5-जी नेटवर्क को नया नाम दिया है, जो क्यू-5जी यानी क्वांटम 5-जी है। बीएसएनएल ने बताया है कि 5-जी नेटवर्क बहुत जल्द लॉन्च कर दिया जाएगा। ऐसे में बीएसएनएल यूजर्स को जल?द ही इसका लाभ मिलने लगेगा। बीएसएनएल ने कहा है कि आपने नाम दिया और हमने उसे रख लिया। बीएसएनएल की 5-जी सर्विस को क्यू-5जी यानी क्वांटम 5-जी कहा जाएगा। इससे पहले दूरसंचार कंपनी ने जनता से अपनी 5-जी सेवा के लिए नाम सुझाने के लिए कहा था।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में मामूली बढ़त, गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी ने की रिकवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त की स्थिति नजर आ रही है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से शेयर बाजार की कमजोरी और बढ़ गई। हालांकि थोड़ी ही देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने रिकवरी करके हरे निशान में अपनी जगह बना ली। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंडसइंड बैंक, टाइटन कंपनी, आयशर मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 4.21 प्रतिशत से लेकर 1.79 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अदानी पोर्ट्स, टीसीएस, टेक महिंद्रा, अदानी एंटरप्राइजेज और नेस्ले के शेयर 2.40 प्रतिशत से लेकर 1.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,396 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 974 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,422 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 15 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थ बीएसई का सेंसेक्स आज 40.72 अंक फिसल कर 81,403.94 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक गिर कर 81,191.04 अंक तक पहुंच गया। पहले 5 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में खरीदारी का जोर बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक रिकवर करके हरे निशान में 81,583.94 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बनता हुआ नजर आया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की बढ़त कम होने लगी। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 63.84 अंक की मजबूती के साथ 81,508.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 8.80 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ 24,803.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक लुढ़क कर 24,738.10 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद थोड़ी देर बाद ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक ने हरे निशान में अपनी जगह बना ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 24,863.10 अंक के स्तर तक पहुंचा। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल धीमी पड़ने लगी। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 31 अंक की मजबूती के साथ 24,843.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सेंसेक्स 138.64 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 81,444.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

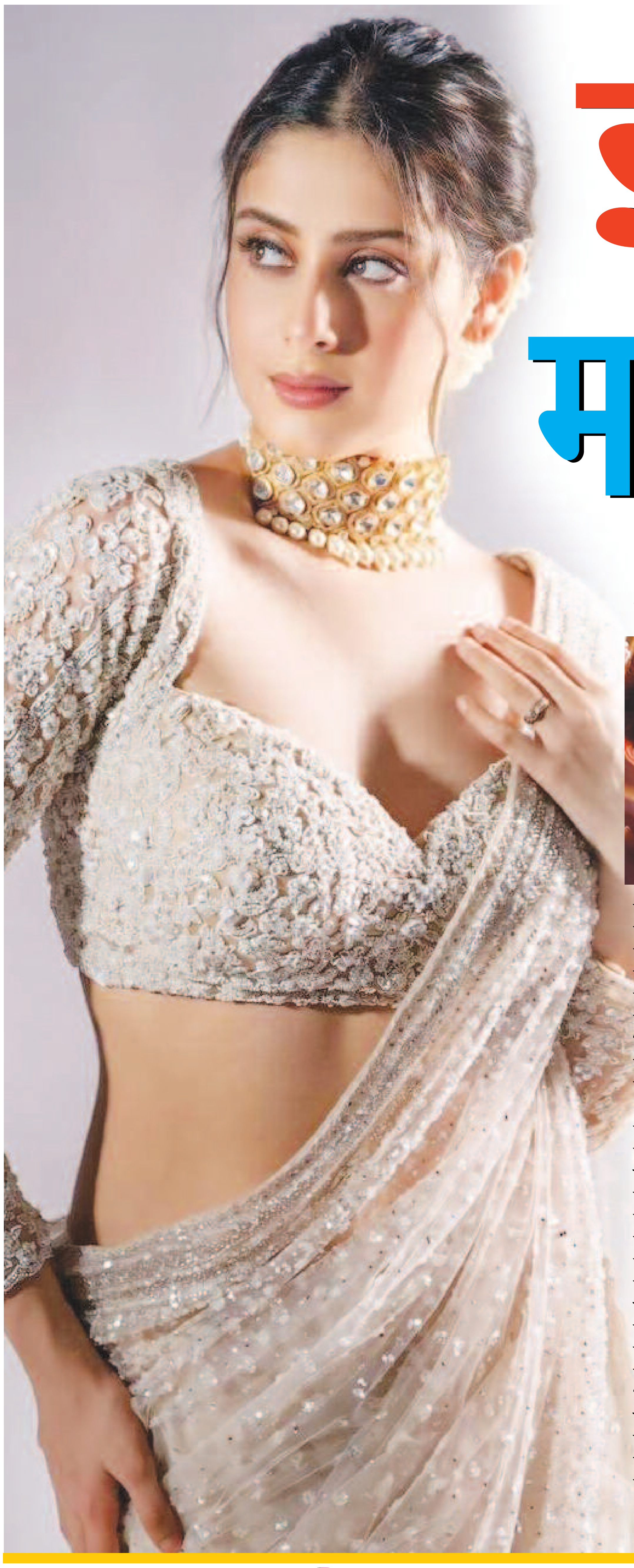

ईशा मालवीय

के सामने होंगे दोनों EX बॉयफ्रेंड अभिषेक-समर्थ, खूब होगा ड्रामा

कलर्स टीवी का फैमिली एंटरटेनमेंट शो 'लाफ्टर शेफ्स 2' अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है. इस शो के सेमी-फिनाले और ग्रैंड फिनाले को शानदार बनाने में मेकर्स कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. फिनाले के इस खास अवसर पर इंडस्ट्री के कई सेलिब्रिटीज इस शो में बतौर मेहमान शामिल होने वाले हैं. लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है ईशा मालवीय की. बिग बॉस फेम ईशा मालवीय कलर्स टीवी के इस कुकिंग रियलिटी शो में बतौर मेहमान शामिल होने वाली हैं और यहां उनका सामना उनके दो एक्स बॉयफ्रेंड अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल से होगा.

'लाफ्टर शेफ्स 2' को अलविदा करने के लिए शो के मंच पर देवोलीना भट्टाचार्जी, दिव्यांका त्रिपाठी, श्रद्धा आर्या और ईशा सिंह जैसी एक्ट्रेसेस के साथ-साथ ईशा मालवीय को भी कलर्स टीवी की तरफ से आमंत्रित किया गया है. ये पहली बार होगा जब 'बिग बॉस 17' के बाद ईशा अपने एक्स-बॉयफ्रेंड अभिषेक और समर्थ दोनों के साथ एक ही मंच पर नजर आएंगी. इन सभी सितारों ने मंगलवार को मुंबई के एक स्टूडियो में इस खास एपिसोड की शूटिंग भी कर ली है.

ईशा, अभिषेक और समर्थ का रीयूनियन

लाफ्टर शेफ्स के सेमी-फिनाले और ग्रैंड फिनाले में शामिल होने वाली सभी टीवी एक्ट्रेसेस को बेहद खूबसूरत एथनिक आउटफिट्स में देखा गया. उनकी एंट्री से ही सेट पर ग्लैमर का तड़का लग गया है. लेकिन फैंस को इस शो में नजर आने वाले असली ड्रामे का इंतजार है, क्योंकि जब-जब ईशा, अभिषेक और समर्थ एक-दूसरे के सामने आते हैं, कुछ न कुछ ड्रामा जरूर होता है.

फैंस हैं एक्साइटेड

सलमान खान के 'बिग बॉस 17' में इन तीनों के बीच हुए ड्रामे को पूरे देश ने देखा था. और अब उन्हें 'लाफ्टर शेफ्स' के मजेदार माहौल में फिर से देखना दर्शकों के लिए एक खास अनुभव होगा. सभी ये जानने के लिए बेहद उत्सुक हैं कि कुकिंग और कॉमेडी के इस माहौल में ये 'एक्स-कपल्स' कैसे एक-दूसरे का सामना करते हैं.

एक साथ नजर आएंगे करण और तेजस्वी

दिव्यांका त्रिपाठी, ईशा के साथ टीवी की पॉपुलर जोड़ी तेजस्वी प्रकाश भी अपने बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा का साथ देने लाफ्टर शेफ फिनाले में एंट्री करेंगी. इस बार ये दोनों केक बेक करने की कोशिश करते हुए नजर आएंगे. जन्नत जुबैर, भारती सिंह, राहुल वैद्य, एल्विश यादव, कृष्णा अभिषेक का ये शो जल्द ही टीवी से विदा लेगा और हिना खान, गुरमीत चौधरी का पति-पत्नी और पंगा इस शो को रिप्लेस करेगा.

दुनिया छोड़ चुके हैं 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के ये 7 सितारे, सीजन 2 में नहीं देख पाएंगे फैंस

टीवी का मशहूर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' अपने दूसरे सीजन के साथ टीवी पर वापसी करने के लिए तैयार है. एकता कपूर के इस आइकॉनिक शो में फिर एक बार स्मृति ईरानी अहम भूमिका में नजरआने वाली हैं. 8 साल तक चले इस सीरियल ने कई कलाकारों को घर-घर पहचान दिलाई. लेकिन 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के फैंस की कुछ पुराने सितारों को फिर एक बार इस शो में देखने की इच्छा अधूरी रह जाएगी, क्योंकि उन्होंने इस दुनिया को ही अलविदा कह दिया है.

1. सुधा शिवपुरी (बा)

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में 'बा' का किरदार निभाने वालीं सुधा शिवपुरी ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी. उनका किरदार परिवार की उस मजबूत और समझदार दादी का था, जिसने हर मुश्किल में पूरे परिवार को एक धागे में पिरोकर रखा था. 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के खत्म होने के लगभग 7 साल बाद, 2015 में सुधा शिवपुरी का निधन हो गया था. उनकी शांत लेकिन प्रभावशाली उपस्थिति की कमी नए सीजन में दर्शकों को सबसे ज्यादा महसूस होगी. 'बा' के बिना विराणी परिवार की कल्पना करना भी मुश्किल है.

2. विकास सेठी (अबीर)

एक्टर विकास सेठी ने सीरियल में तुलसी (स्मृति ईरानी) के पोते अबीर का किरदार निभाया था. उनके किरदार को भी काफी पसंद किया गया था. दुखद बात यह है कि 8 सितंबर 2024 को, 48 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से विकास का निधन हो गया. उन्हें अबीर के रूप में उन्हें दोबारा देखने का सपना अधूरा ही रह जाएगा.

3. अबीर गोस्वामी (रणजीत)

सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में एक्टर अबीर गोस्वामी ने 'रणजीत' का किरदार निभाया था. साल 2013 में, दिल का दौरा पड़ने (कार्डियक अरेस्ट) की वजह से उनका निधन हो गया था. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उस समय अबीर ट्रेडमिल पर दौड़ रहे थे जब उन्हें यह अचानक झटका लगा. उनके जाने से इंडस्ट्री ने एक और प्रतिभाशाली कलाकार खो दिया.

4. इंद्र कुमार (मिहिर वीरानी)

'मासूम' और 'वॉन्टेड' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का कमाल दिखा चुके एक्टर इंद्र कुमार ने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिहिर वीरानी के किरदार के लिए अमर उपाध्याय को रिप्लेस किया था. ये सीरियल इंद्र कुमार का टीवी डेब्यू था, जिसने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई. इंद्र कुमार का निधन भी जुलाई 2017 में कार्डियक अरेस्ट से हुआ था. उनके जाने से भी फैंस के बीच उदासी छा गई थी.

रिलीज से 1 महीने पहले 'तन्वी द ग्रेट' के मेकर्स ने किया ये काम, देखकर खुश हो जाएंगे फैंस

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर अपनी नई फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. ये फिल्म अनुपम खेर के लिए दोहरी जिम्मेदारी है. तन्वी द ग्रेट उनके लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने इसमें एक्टिंग करने के अलावा इसके डायरेक्शन की बागडोर भी संभाली है. पिक्चर अब अपनी रिलीज से सिर्फ एक महीने दूर है. इससे पहले मेकर्स ने दर्शकों को एक बड़ा तोहफा दिया है.

तन्वी द ग्रेट से मेकर्स ने अब तक कई पोस्टर शेयर किए हैं. अब फिल्म की रिलीज से ठीक एक महीने पहले इसका एक और पोस्टर सामने आया है, जिसमें पूरी कास्ट एक साथ नजर आ रही है. इसे देखते ही फैंस फिल्म के लिए और एक्साइटेड हो गए हैं. अनुपम खेर ने इसे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है.

'तन्वी द ग्रेट' का नया पोस्टर जारी

अनुपम खेर ने बुधवार, 18 जून को अपने इंस्टाग्राम हैंडल से फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है. इसमें फिल्म की पूरी कास्ट आप देख सकते हैं और खुद अनुपम भी इसमें दिखाई दे रहे हैं. उन्होंने पोस्टर जारी करते हुए लिखा, ये पोस्टर सिर्फ सितारों का कोलाज नहीं, बल्कि उससे कहीं बढ़कर है. ये कहानियों का एक कैनवास है, जो एक युवा लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है जो लेबल, सीमाओं और महानता की हर आसान परिभाषा को चुनौती देती है. एक ऐसी दुनिया में जो उसे एक बॉक्स में फिट करने की कोशिश करती है, वो सीमाओं से बाहर रंग भरने की हिम्मत करती है.

कब रिलीज होगी फिल्म ?

तन्वी द ग्रेट की रिलीज डेट से अनुपम खेर पहले ही पर्दा उठा चुके हैं और उन्होंने नए पोस्टर के साथ भी रिलीज की जानकारी शेयर की है. अभिनेता ने पोस्टर में आगे लिखा, तन्वी द ग्रेट 18 जुलाई को अपनी रिलीज के करीब पहुंच गई है. सिर्फ एक महीना बाकी है.

तन्वी द ग्रेट की कास्ट

तन्वी द ग्रेट में शुभांगी अहम रोल में हैं. पूरी कहानी उनके ही इर्द-गिर्द घूमती हुई नजर आएगी. फिल्म में अनुपम खेर के अलावा जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, नासर, करण ठक्कर और इयान ग्लेन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. अनुपम खेर इसके प्रोड्यूसर भी हैं और इसमें म्यूजिक दिया है एमएम कीरवानी ने.

शिवांगी जोशी

के शो में रवि दुबे-सरगुन मेहता की एंट्री? जानें क्या है पूरा सच

छोटे पर्दे की दुनिया में रवि दुबे और सरगुन मेहता का नया वीडियो खूब वायरल हो रहा है. इस वीडियो में दोनों को सोनी टीवी के नए शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' के बारे में बात करते हुए देख फैंस ने ये सोच लिया कि उनका ये पसंदीदा कपल शिवजी जोशी के शो में एंट्री कर रहा है. ये खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है.

वीडियो में रवि भाग्यश्री की आंखों की तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं. भाग्यश्री और कोई नहीं बल्कि 'बड़े अच्छे लगते हैं 3' की शिवजी जोशी हैं. उन्हें भाग्यश्री की तारीफ करते हुए देख सरगुन भी ऋषभ (हर्षद चोपड़ा) की बॉडी और आंखों की तारीफ करने लग जाती हैं. दोनों साथ मिलकर ऑडियंस से अपील भी करते हुए नजर आते हैं कि वो ये शो जरूर देखें. रवि और सरगुन लंबे समय से टीवी से दूर हैं. यही वजह है कि उन्हें इस तरह से एक शो को प्रमोट करते हुए देख उनके फैंस ये मान बैठें कि उनका पसंदीदा कपल टीवी पर लौट आया है.

लेकिन क्या सच में रवि और सरगुन, शिवांगी जोशी और हर्षद चोपड़ा के 'बड़े अच्छे लगते हैं' के सीजन 3 में एंट्री करने जा रहे हैं ? आइए जान लेते हैं.

क्या है असल सच्चाई ?

दरअसल रवि और सरगुन सिर्फ सोशल मीडिया पर 'बड़े अच्छे लगते हैं 3' को प्रमोट कर रहे हैं. लेकिन वो शो में एंट्री नहीं कर रहे हैं और न ही वो 'बड़े अच्छे लगते हैं 3 का हिस्सा बनने वाले हैं. इन दोनों से बड़े अच्छे लगते हैं 3' की तारीफ कराना चैनल का एक मार्केटिंग और प्रमोशनल मूव था. फिलहाल, रवि दुबे और सरगुन मेहता का पूरा ध्यान अपने प्रोडक्शन हाउस पर है, जिसके तहत वो कई सफल शोज बना चुके हैं.